हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला| अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

5

जबलपुर, शुक्रवार 6 दिसंबर 2024

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

8 दिसम्बर को मण्डला आयेंगे जालम सिंह पटेल

मण्डला। मध्यप्रदेश के सरकार पूर्व मंत्री एवं लोधी क्षत्रीय समाज के प्रदेश अध्यक्ष जालम सिंह पटेल का 08 दिसम्बर को अपरान्ह 11 बजे मण्डला आगमन हो रहा है इस दौरान श्री पटेल पदमी चौराहा तपसी आश्रम में जिला लोधी क्षत्रीय समाज एवं अखिल भारतीय लोधी लोधा अधिकारी कर्मचारी संघ(आलोक) मण्डला द्वारा आयोजित लोधी प्रतिभा सम्मान एवं युवक/युवती परिचय सम्मेलन पर जीएसटी कमिश्नर जबलपुर लोकेश लिल्हारे के साथ मंच साझा करते हुए वर्ष 2024 में कक्षा दसवीं एवं बारहवीं की परीक्षा में 70 प्रतिशत या इससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले सामाजिक छात्र/छात्राओं को और अन्य परीक्षाओं में चयनित होने वाले एवं उत्कृष्ट कार्य करने वालों को अपने करकमलों से सम्मानित करेंगे कार्यक्रम संयोजक कन्हैया ठाकुर द्वारा सभी स्वजातीय जनों से उक्त समारोह में सम्मलित होने का आग्रह किया गया है।

बम्हनी कॉलेज में पुरुषत्व संवेदीकरण कार्यशाला का आयोजन

बम्हनीबंजर। शासकीय कला महाविद्यालय बम्हनी बंजर में प्राचार्य डॉ. श्रीमती करूणा नेमा के मार्गदर्शन में ''हम होंगे कामयाब'' पखवाड़ा जेंडर आधारित हिंसा रोकथाम हेतु जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसके अन्तर्गत 05 दिसंबर को महाविद्यालय में पुरूषत्व विषय पर संवेदीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। डॉ.श्रीमती कुन्ती वराठे द्वारा विभिन्न कालों में महिलाओं की स्थिति उनके अधिकार शोषण एवं हिंसा पर विचार व्यक्त किए। डॉ.रियका पटेल द्वारा संविधान में वर्णित महिला अधिकारों एवं वर्तमान स्थिति पर प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ.रंजीत कुमार भालेकर द्वारा किया गया।

महाराजपुर संगम क्षेत्र में बड़ी मात्रा में पेड़ों को काटा गया

किसने दी पेड़ों को काटने की इजाजत

*** वृक्षों की जड़ भी उखाड़कर अलग कर दी गई।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

जुलाई-अगस्त माह में लाखों की संख्या में पौधों का रोपण किया गया इस कार्य में क्या पंचायत, क्या जनपद, क्या जिला पंचायत, क्या जिला प्रशासन और क्या समाजसेवी एवं पर्यावरण प्रेमी सभी ने बढ़-चढ़कर प्रयास किया और पौधों का रोपण किया इसके साथ-साथ प्रधामंत्री के आव्हान पर पौधों के संरक्षण की भी जबावदारी भी और उसके लिये भी व्यवस्थायें की।

लाखों की संख्या में लगाये गये ये पौधें 15 से 20 वर्ष बाद वृक्षों का आकार लेंगे तभी हमारी यह मेहनत सफल मानी जायेगी और इसके लिये कम से कम 5 से 10 वर्ष तो पौधों के लिहाज से इनका संरक्षण भी करना होगा तभी हमारी यह मुहिम सफल होगी।

अब इसके उलट यदि विचार किया जाये तो पर्यावरण बचाने और लोगों को शुद्ध-स्वच्छ हवा मिलती रहे इसके लिये वृक्षों का आस्तित्व में रहना आवश्यक है और आज हम जो पौधे लगा रहे हैं इनका लाभ हमें वर्षो बाद प्राप्त होगा लेकिन हमारे पूर्वजों ने जो पौधे लगाये थे और आज वे वृक्ष के रूप में आस्तित्व में और हमें जीवन प्रदान कर रहे हैं तो क्या उनके संरक्षण की जबावदारी हमारी नहीं? पूर्वजों द्वारा लगाये गये पौधे जो आज वृक्ष की शक्ल में हमारे सामने मौजूद हैं हमें छाया, फल एवं जीवन दे रहे हैं यदि उन्हें कोई नुकसान पहुंचाता है या उन्हें काटता है, उन्हें जड़ से उखाड़ता है तो हमें क्या करना चाहिये?

दुर्भाग्य देखिये कि एक ओर तो हम पौधारोपण को पुण्य कार्य मानते हुये इसे न केवल बढ़ावा दे रहे हैं बल्कि प्रत्येक वर्ष इस कार्य में सभी को शामिल कर इसे युद्ध स्तर पर अंजाम भी दे रहे हैं। वहीं दूसरी ओर वृक्षों के कत्लेआम पर हमारी कोई प्रतिक्रिया न तो सामने आती है और न ही जिस तरह इसका विरोध होना चाहिये वह होता है। सबसे बड़ी बात तो शासन-प्रशासन को जिस तरह वृक्षों के कत्लेआम पर सामने आना चाहिये और इसे रोका जाना चाहिये वह नहीं हो रहा। यही करण है कि कहीं विकास के नाम पर तो कहीं कॉलोनियों को विकसित करने के नाम पर पूर्वजों द्वारा लगाये गये बड़े-बड़े वृक्षों का कत्लेआम किया जा रहा है और हम सब इस कत्लेआम को देखते हुये मौन हैं।

इस तरह के एक नहीं अनेकों उदाहरण हैं जहां पर कि वृक्षों की बलि दे दी गई हाल ही में महाराजपुर संगम क्षेत्र में बड़ी मात्रा में वृक्षों की काटी गई लकड़ी सड़क किनारे पड़ी हुई है अब यह लकड़ी किन वृक्षों का कत्लेआम कर एकत्रित की गई है इन वृक्षों को काटने की अनुमति किसने दी हरे-भरे वृक्षों को काटने की अनुमति किस आधार पर दी गई वृक्षों को काटा जाना आवश्यक है यह किसने निर्णय किया क्या इस विषय पर पर्यावरण विशेषज्ञों की राय ली गई क्या इस विषय पर स्थानीय लोगों को विश्वास में लिया गया यदि ऐसा नहीं है तो फिर बड़ी संख्या में वृक्षों का कत्लेआम क्यों और कैसें कर दिया गया। क्यों नहीं प्रशासन ने काटी गई लकड़ी को देखते हुये इसका संज्ञान लिया और वृक्षों को काटने वाले पर कार्यवाही की? वृक्षों को इतनी बेदर्दी से काटा गया कि उसके निशान भी नहीं छोड़े गये यहां तक कि इन वृक्षों की जड़ों को भी उखाड़कर अलग कर दिया गया आखिर इसकी क्या आवश्यकता थी। यदि एक ओर मान भी लें कि ये पेड़ जर्जर स्थिति में थे और सुरक्षा की दृष्टिकोण से ये गिरने वाले थे दूसरों को नुकसान पहुंचाने वाले थे तो भी इन्हें ऊपर से ही काटा जाना चाहिये था इनकी जड़ को उखाड़ने का क्या मकसद क्या जड़ से भी किसी की सुरक्षा प्रभावित हो रही थी? जो लकड़ी काटी गई है और नजर आ रही है वह स्पष्ट संकेत करती है कि जिन वृक्षों का कत्लेआम कर यह लकड़ी एकत्रित की गई है वे वृक्ष न तो जर्जर रहे होंगे और न ही जीर्ण-शीर्ण फिर इनको काटने की अनुमति कैसें दे दी गई और यदि काटने की अनुमति प्रशासन द्वारा नहीं दी गई है तो फिर वृक्षों का कत्लेआम करने वाले पर अब तक कार्यवाही क्यों नहीं हुई।

जिला खनिज प्रतिष्ठान न्यास मण्डल की बैठक संपन्न

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

कलेक्टर सोमेश मिश्रा की अध्यक्षता में जिला खनिज प्रतिष्ठान न्यास मण्डल की बैठक जिला योजना भवन में आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर ने जिला खनिज प्रतिष्ठान द्वारा उपस्थित सदस्यों के समक्ष जिला खनिज प्रतिष्ठान अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2023-24 में स्वीकृत एवं प्रचलित कार्यों के सम्बंध में अवगत कराया गया तथा प्राप्त नवीन प्रस्तावों की समीक्षा की गई। बैठक में प्रतिष्ठान निधि से स्वीकृत किये जाने हेतु निर्णय सर्वसम्मति से लिया गया। कलेक्टर श्री मिश्रा ने जिला खनिज प्रतिष्ठान न्यास मण्डल द्वारा जनप्रतिनिधियों से प्राप्त प्रस्तावों को शामिल कर चर्चा की। बैठक में विधायक बिछिया नारायण सिंह पट्टा, विधायक निवास चैनसिंह वरकड़े, जिला पंचायत अध्यक्ष संजय कुशराम, नगरपालिका अध्यक्ष विनोद कछवाहा, सीईओ जिला पंचायत श्रेयांश कूमट, डीएफओ ईस्ट ऋषिभा तेकाम, डीएफओ वेस्ट नित्यानंदन, खनिज अधिकारी राहुल शांडिल्य सहित संबंधित उपस्थित थे। बैठक में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री संपतिया उइके वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से शामिल हुई।

बम्हनी कॉलेज में एड्स जागरुकता कार्यशाला

बम्हनीबंजर। शासकीय कला महाविद्यालय बम्हनी बंजर में प्राचार्य डॉ.श्रीमती करूणा नेमा के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण समिति के निर्देशानुसार राष्ट्रीय सेवा योजना एवं रेड रिबन क्लब के संयुक्त तत्वावधान में एड्स जागरूकता कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यक्रम में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बम्हनी बंजर से डॉ.एल.एस उइके एवं बबीता सिंगौर उपस्थित हुए। डॉ.एल.एस उइके ने एड्स जागरूकता अन्तर्गत एड्स के लक्षण जानकारी एवं चिकित्सा संबंधी जानकारी साझा की अंत में डॉ. कुन्ती वराठे द्वारा सभी का आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. रंजीत कुमार भालेकर द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम श्रीमती सुनैना सिंह श्याम, भानु प्रताप सिंह ठाकुर, सुशील कुमार नाविक, शरद कुमार रधुवंशी, ओमप्रकाश झारिया एवं छात्र/छात्राऐं उपस्थित रहे।

कांग्रेस कार्यकर्ता एकजुट होकर कांग्रेस को मजबूत करने के लिए कार्य करें-किरण अहिरवार

मण्डला। वह कार्यकर्ता, नेता संगठन में आगे आए, जो पार्टी को अपना पूर्ण समय दे सकते हैं। मण्डला जिले की नवनियुक्त प्रभारी-दीदी किरण अहिरवार ने जिले के कांग्रेस पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं की बैठक को संबोधित करते हुए कही। इस दौरान प्रभारी ने जिला समन्वय समिति, विधानसभा बिछिया, मंडला, एवं निवास के ब्लॉक अध्यक्ष, प्रकोष्ठ अध्यक्षों, कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं से अलग-अलग बैठक की। कांग्रेस प्रभारी किरण अहिरवार ने कहा कांग्रेस संगठन में नया बदलाव और देखने को मिलेगा। कांग्रेस को जमीनी स्तर तक मजबूत करने का एक महाअभियान प्रारंभ किया जा रहा है तथा सक्रिय नए लोगों को मौका देने का प्रयास किया जाएगा। आगामी समय में कार्यकर्ताओ की राय लेकर ब्लॉक, मंडलम, सेक्टर कमेटी, वार्ड, पंचायत समितियों का गठन किया जाएगा। बैठक में सहप्रभारी समीर खान ने भी अपनी बात कही। बैठक में जिला अध्यक्ष एड राकेश तिवारी, बिछिया विधायक मा नारायण सिंह पट्टा, निवास विधायक चैनसिंह बरकड़े, पूर्व विधायक डॉ अशोक मर्सकोले सहित सभी पदाधिकारी ने संगठन को लेकर अपनी बात रखी।

कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने खरीफ उपार्जन केन्द्र मलारा नांदिया का निरीक्षण किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने गुरूवार को खरीफ उपार्जन केन्द्र बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी सोसायटी मलारा नांदिया का निरीक्षण किया। मंडला जिले में सभी खरीफ उपार्जन केन्द्रों में खरीदी का कार्य प्रारंभ हो चुका है। उपार्जन केन्द्रों में किसानों की सुविधाओं को दृष्टिगत रखते हुए संपूर्ण व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई है। खरीफ उपार्जन केन्द्रों में किसानों के लिए बारदाना, छन्ना, कांटा, पंखा, छाया तथा पेयजल का प्रबंध किया गया है। कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा ने विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि धान खरीदी केन्द्रों में किसानों को किसी भी प्रकार की कठिनाई नहीं होनी चाहिए। किसानों का उपार्जन निर्धारित मात्रा में तत्काल खरीदा जाए। उन्होंने धान खरीदी केन्द्रों में खरीदे गए धान का उठाव तत्काल करने के निर्देश दिए। अचानक बारिश होने की स्थिति में उपार्जन केन्द्रों में धान के लिए तिरपाल व पन्नी का प्रबंध करने को कहा। उन्होंने धान खरीदी केन्द्रों से उपार्जन की गई फसलों का तत्काल परिवहन करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा ने प्रत्येक धान खरीदी केन्द्रों में नोडल नंबर अंकित करने के निर्देश दिए। जिससे किसानों को किसी भी प्रकार की कठिनाई होने पर वे तत्काल संपर्क कर सकें।

11 वर्ष एवं 08 वर्ष पुराने प्रकरण में आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला/बीजाडांडी

थाना बीजाडांडी द्वारा आज दिनांक 05/12/2024 को टीम गठित कर 11 वर्ष पुराने प्रकरण क्रमांक 68/13 धारा 138 एनआईए एवं 08 वर्ष पुराने प्रकरण क्रमांक 438/16 एवं अपराध क्रमांक 76/2016 धारा 279, 337, 304ए भादवि के मामले के स्थाई गिरफ्तारी वारंटी आरोपी पवन कुमार साहू पिता राजकुमार साहू उम्र 30 वर्ष निवासी गौरव तालाब इन्द्रा बस्ती सैनिक सोसायटी थाना गढा जिला जबलपुर की तलाश पता साजी दौरान स्थाई गिरफ्तारी वारंटी को गढा जिला जबलपुर मे समक्ष गवाहों के गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय मे पेश किया जाता है। जिसमे थाना प्रभारी बीजाडांडी निरीक्षक अंतिम पंवार, उनि पंकज विश्वकर्मा, सउनि हरि ओम शुक्ला, प्र.आर. रवीन्द्र मरावी, प्र.आर. उमाकांत कुम्हरे, आर. प्रशांत अवस्थी, आर. नीरज बीकले, आर. रोहित कुमार कुशवाहा, आर. आलोक मरावी, म.आर. आरती मल्लाह, म.आर. सुनीता तेकाम एवं सूर्यचंद बघेल की विशेष भूमिका रही।

पहल | आजाद वार्ड में पार्षद सुधीर झब्बू मिश्रा की सराहनीय पहल।

पार्षद द्वारा चलाया गया नाना घाट में सफाई अभियान

*** अन्य पार्षदों को भी आगे आना होगा।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

आजाद वार्ड के पार्षद सुधीर झब्बू मिश्रा ने स्वच्छता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाते हुए नाना घाट में सफाई अभियान चलाया। इस अभियान में उन्होंने स्वयं पूरे दिन मशीन और श्रमिकों की मदद से घाट की सफाई करवाई।

नाना घाट, जो वार्ड के प्रमुख स्थानों में से एक है, लंबे समय से गंदगी और कचरे की समस्या से जूझ रहा था। पार्षद मिश्रा ने वार्डवासियों की मांग पर इस समस्या का समाधान करने का बीड़ा उठाया। सफाई अभियान के दौरान उन्होंने घाट से कचरे को हटवाया और क्षेत्र को साफ-सुथरा बनाया।

इस पहल के लिए वार्डवासियों ने पार्षद सुधीर झब्बू मिश्रा का आभार व्यक्त किया और उनकी सक्रियता की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि पार्षद द्वारा समय-समय पर इस तरह के कार्य किए जाने से वार्ड की स्वच्छता बनी रहती है और लोगों को स्वस्थ पर्यावरण प्राप्त होता है। सुधीर झब्बू मिश्रा ने इस मौके पर कहा, स्स्वच्छता हमारी प्राथमिकता है। मैं वार्डवासियों से अपील करता हूं कि वे भी स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग करें। यह हमारा सामूहिक दायित्व है। इस अभियान से न केवल नाना घाट की स्थिति में सुधार हुआ है, बल्कि अन्य वार्डों के लिए भी एक मिसाल कायम हुई है। हालांकि कुछ घाटों में स्थानीय लोग एवं पार्षद इस तरह की मुहिम चला चुके हैं उदाहरण के तौर पर वैद्यघाट की ही बात करें तो वहां के लोगों द्वारा जैसे ही बाढ़ का पानी घाट की सीढ़ियों से नीचे उतरता है वैसे ही सफाई अभियान जारी रहता है और उस दौरान घाट की सीढ़ियों को साफ करना आसान भी होता है जैसे-जैसे पानी कम होता जाता है सफाई अभियान लगातार जारी रहता है यही कारण है कि इन घाटों में इस तरह न तो मिट्टी जमा होती है और न ही गंदगी। प्रत्येक पार्षद एवं स्थानीय लोगों को नर्मदा घाट स्वच्छ रहें इसके लिये लगातार इस तरह की पहल भी करनी होगी और प्रयास करने होंगे ताकि माँ नर्मदा के प्रत्येक घाट स्वच्छ एवं सुरक्षित रह सकें।

कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने औद्योगिक क्षेत्र के लिए मोहनिया पटपरा का किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

मण्डला जिले में औद्योगिक क्षेत्र को बढ़ावा देने और निवेशकों को आकर्षित करने के लिए मोहनिया पटपरा विकासखंड मंडला में 29 हेक्टेयर भूमि चिन्हांकित की गई है। जिला व्यापार एवं उद्योग विभाग द्वारा मोहनिया पटपरा में औद्योगिक क्षेत्र स्थापित किया जाएगा। मंडला जिले में औद्योगिक क्षेत्र स्थापित होने से लोगों को रोजगार उपलब्ध होगा। कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा ने गुरूवार को मोहनिया पटपरा में चिन्हित औद्योगिक क्षेत्र का निरीक्षण किया। उन्होंने स्थल निरीक्षण के दौरान उक्त भूमि का समतलीकरण करने के निर्देश दिए। औद्योगिक क्षेत्र की भूमि के समीपस्थ भूमि को भी चिन्हांकित कर सुरक्षित रखने को कहा। जिससे उक्त भूमि पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण न हो सके। उन्होंने इस दौरान उक्त चिन्हांकित भूमि तक पहुंच मार्ग बनाने के निर्देश भी दिए। जिससे औद्योगिक क्षेत्र में आने वाले ट्रक या वाहनों को किसी भी प्रकार की कठिनाई न हो। निरीक्षण के दौरान तहसीलदार श्री अजय श्रीवास्तव सहित विभागीय कर्मचारी मौजूद थे।

खबर संक्षेप

पिता पुत्र के साथ लाठियों से मारपीट कर चोटें पहुंचाई

गाडरवारा। पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस समीपस्थ ग्राम आमगांव छोटा निवासी एक युवक द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया कि मेरे पड़ोस में लक्ष्मण सिंह कुशवाहा का मकान है जो रास्ते पर आने जाने को लेकर कुछ दिन से मेरा लक्ष्मण सिंह कुशवाहा के लड़के विशाल कुशवाहा , ऋषि कुशवाहा एवं कृष्णा कुशवाहा से विवाद चल रहा है। बीते हुये दिवस जब में अपने घर से गांव में मजदूरी करने जा रहा था कि जैसे ही मैं लक्ष्मण कुशवाहा के घर के पास पहुंचा कि तभी विशाल कुशवाहा ,ऋषि कुशवाहा एवं कृष्णा कुशवाहा हाथो में लाठिया लेकर आये और गंदी गंदी गालिया देते हुये एक राय होकर लाठियों से मारपीट कर चोटे पहुंचाई तथा जान से मारने की धमकी दी गई। उसी दौरान जब प्रार्थी के पिता शंकर लाल वर्मा आये और अपने बेटे को बचाने का प्रयास किया तो आरोपियों द्वारा उनके साथ भी मारपीट करते हुये चोटे पहुंचाये जाने पर पुलिस ने प्रार्थी की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

कार की टक्कर से पहुंची चोट

गाडरवारा। पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस समीपस्थ उदयपुरा निवासी युवक द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि बीते हुये दिवस मै अपने घर ग्राम बौरास उदयपुरा से बडे भाई कमल उर्फ गोलू राजपूत के साथ अपनी मोटर साईकल क्र.MP49MC9675 से राजीव वार्ड गाडरवारा आ रहा था तभी रास्ते में गाडरवारा आईसर ट्रेक्टर शोरूम के पास एक कार क्रमांक MP49ZA9782 के चालक द्वारा अपनी कार को तेज गति व लापरवाही पूर्वक चलाते हुये हमारी मोटर साईकिल में टक्कर मारे जाने के कारण दोनो भाईयों को चोटे अपने के चलते पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर आरोपी कार चालक के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

पैसों के लेनदेन की बात पर हुई मारपीट

गाडरवारा। समीपस्थ सालीचौका पुलिस चौकी से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस ग्राम ग्राम सहावन टोला निवासी कमलेश पिता नन्हेवीर अहिरवार उम्र 43 साल द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि बीते हुये दिवस उसी ग्राम निवासी विजय अहिरवार, शाहिल अहिरवार, राजू तथा नीरज तथा सौरभ अहिरवार द्वारा पैसों के लेनदेन की बात को लेकर एक राह होकर प्रार्थी तथा उसकी पत्नी के साथ लाठियों से मारपीट करते हुये चोटे पहुंचाई व जान से मारने की धमकी दी गई। घटना को लेकर पुलिस ने प्रार्थी की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

खेत बखरने की बात को लेकर कर दी पिटाई

गाडरवारा। पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस समीपस्थ ग्राम कामती निवासी युवक द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि मैं ग्राम कामती गाडरवारा रहता हूँ मेरा खेत खैरी कामती मौजा बीते हुये दिवस जब मैं अपने ट्रेक्टर से अपने खेत में बखरनी कर रहा था। वहीं मेरे खेत से लगा हुआ । मेरा भाई रशीद खान का घर बन रहा था और उस समय वह वही पर खड़ा हुआ था जो मुझे बोलने लगा कि यहाँ से क्यो बखर रहा है तो मैने वोला की मेरी जगह बखर रहा हूं। इसी बात को लेकर रशीद खान द्वारा गंदी गंदी गालिया देना शुरू कर दी तो मैने गाली देने से मना किया तो उसी दौरान उसके लड़के समीर खान व मुबीन खान आ गये जिन्होंने एक राय होकर गंदी गंदी गालियाँ देते हुये डंडे से मारपीट कर चोटे पहुंचाई तथा जान से मारने की धमकी दी गई। घटना को लेकर पुलिस ने प्रार्थी की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

भीड़भाड़ वाले क्षेत्र में घटना को अंजाम दिया जाने से पुलिस की कार्य प्रणाली पर खड़े हुये सवाल...?

युवक की सिर कुचलकर हत्या

शहर की बिगड़ती कानून व्यवस्था की सच्चाई को चार दिन पहले हरिभूमि द्वारा प्रमुखता के साथ किया गया था उजागर..

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। नगर सहित क्षेत्र की जिस तरह कानून व्यवस्था पटरी से उतरते हुये देखी जा रही है उसके चलते अब शहर में यह महसूस होने लगा है कि मनमानी करने वालों के दिलों से जहां पुलिस का डर समाप्त हो चुका है। वही दूसरी ओर कुछ माह पहले जिस तरह पुलिस द्वारा नगर में निगरानी करने के लिये लाखों रूपया खर्च करते हुये जहां तहां गुप्त केमरों को स्थापित किये गये थें वह अब मात्र कानून के रखबारों के पुलिस थाने में बैठकर सिर्फ सड़क किनारे लगी हुई दुकानों पर निकलने वाले गर्म मुगोड़ी व समोसे देखने के काम आते हुये जान पड़ रहे है..? क्योंकि उप पुलिस अधीक्षक रत्नेश मिश्रा तथा तत्कालीन नगर निरीक्षक उमेश तिवारी द्वारा इन केमरों की स्थापना इस सोच के तहत कराई गई थी। वह नगर में जहां तहां संचालित होने वाली अवैधानिक गतिविधियों पर नजर रखते हुये उन पर अंकुश लगाने में सफलता प्राप्त कर सकेगे।

मगर इस समय संपूर्ण शहर में उच्चगुणवत्ता वाले लगाये गये गुप्त केमरे जहां पेहरेदारों के चलते पुलिस थाने में बैठकर सड़क किनारे लगी हुई दुकानों पर निकलने वाले गर्म भंजिये व समोसे देखने के काम आते हुये जान पड़ रहे है। वही दूसरी ओर नगर की लगातार बिगड़ रही कानून व्यवस्था के चलते आवारा गर्दी करने वालों के हौसले इतने बुलंद हो चुके है कि उनके दिलों में पुलिस की दहशत समाप्त होने का परिणाम है कि वही खुलेआम अपराधिक गतिविधियों को अंजाम देने की चर्चाये सुनाई देना आम बात हो चुकी है? क्योंकि नगर से लेकर क्षेत्र में जिस तरह मादक पदार्थो का अवैध कारोबार अपनी गति पकड़ते हुये देखा जा रहा है उसका परिणाम है कि युवा पीढ़ी इसकी चपेट में आने के कारण जहां अपराध की दुनियां के दलदल में समाते हुये जान पड़ रही है। वही सड़को पर बाइकर्सो की दिन भर होने वाली आवारा गर्दी का परिणाम है कि जहां छात्राओं को अपने स्कूल व कोचिंग सेन्टरों तक पहुंच पाना मुश्किल होते हुये दिखाई दे रहा है। प्रमुख रूप से देखा जावे तो नगर की पानी टंकी वाला क्षेत्र शहर का प्रमुख केन्द्र माना जाता है जहां पर दिन भर भीड़ का आलम बना रहता है। मगर यहां पर होने वाली आवारा गर्दी की सच्चाई को हरिभूमि द्वारा अपने 1 दिसम्बर के अंक में प्रमुखता से उजागर किया गया था। मगर शायद जिम्मेदारों द्वारा इस सच्चाई को नजर अंदाज किये जाने का परिणाम हत्या जैसी घटना के रूप में सामने आने से नही चूक पाया है..? क्योंकि इस तरह भीड़ भाड़ वाले क्षेत्र में इस तरह दिन दहाड़े हत्या की घटना ने निश्चित तौर से नगर की पटरी से उतरती हुई कानून व्यवस्था को पोल खोलने में कोई कसर नही छोड़ी गई है..? इस तरह गुरूवार शाम 4.30 के लगभग पानी टंकी के पास नालंदा स्कूल परिसर में स्थित चौपाड़ी में जिस तरह एक युवक की सिर कुचलते हुये बेरहमी के साथ हत्या की घटना घटित

हुई है इस घटना के चलते संपूर्ण नगर सहित क्षेत्र में सनसनी का महौल निर्मित होने से नही चूक रहा है..। वही दूसरी ओर लोगों का कहना है कि अब तत्वों के दिलों में पुलिस की दहशत समाप्त होने का ही परिणाम है कि नगर के लोगों को इस तरह की घटनाओं का सामना करने के लिये मजबूर होते हुये देखा जा रहा है। घटना के संबंध में बताया जाता है कि नगर के चांवडी वार्ड निवासी मधुर पिता महेन्द्र चौरासिया उम्र लगभग 25 वर्ष अपने किसी काम से पानी टंकी के पास स्थित चौपाटी आया हुआ था जहां पर कुछ तत्वों द्वारा पहले उसके ऊपर चाकू से हमला बोला गया जिसके चलते वह जमीन पर गिर गया और इसके बाद उसके सिर पर बेरहमी के साथ भारी भरकम पत्थर से बार करते हुये सिर को पूर्णरूप से कुचल दिये जाने के कारण मधुर की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। वही घटना को अंजाम देने वाले आरोपी मौके से भागने में सफल हो गये। इस तरह दिन दहाड़े नगर के प्रमुख स्थान पानी टंकी के पास घटित हुई घटना की जैसे ही नगर में खबर फैली तो सनसनी का महौल निर्मित हो गया। वही मौके पर लोगों को हुजूम उमड़ गया। वही घटना की जानकारी मिलते हुये तुरंत मौके पर उप पुलिस अधीक्षक रत्नेश मिश्रा सहित नगर निरीक्षक प्रियंका केवट सहित अन्य पुलिस अधिकारियों ने पहुंचकर मृतक के शव का पंचनाम बनाते हुये मर्ग कायम कर शव को पोस्ट मार्टम हेतु शासकीय चिकित्सालय भेजा गया। वही घटना के संबंध में जब उप पुलिस अधीक्षक रत्नेश मिश्रा से चर्चा की गई तो उनके द्वारा अपनी जानकारी में बताया गया है कि नगर की पानी टंकी के पास स्थित चौपाटी में एक युवक की हत्या की जानकारी मिलते हुये मै तथा हमारी पूरी टीम मौके पर पहुंची तो देखा की एक युवक की सिर पर पत्थर मारते हुये हत्या की गई जिसके चलते मृतक की पहचान नगर के चांवडी वार्ड निवासी मधुर पिता महेन्द्र चौरासिया के रूप में की गई है। पुलिस द्वारा मृतक के शव का पंचनामा बनाते हुये शव को पोस्ट मार्टम के लिये भेजा गया है। वही इस घटना को किसके द्वारा अंजाम दिया गया है तथा हत्या के कारण किया है इसकी सच्चाई तो आरोपियों के पकड़े जाने के बाद ही सामने आ पायेगी। वही घटना को अंजाम देने वाले आरोपी मौके से भाग गये है जिनकी खोजबीन में हमारी टीम लगी हुई शीघ्र ही आरोपियों को खोजने में सफलता हासिल की जावेगी। वही घटना में कितने लोग शामिल है इसकी जांच करते हुये किसी को नही छोड़ा जावेगा। वही दूसरी ओर गौर किया जावे तो इस तरह नगर में दिन दहाड़े भीड़ भाड़ वाले क्षेत्र में युवक की बेरहमी के साथ की गई हत्या की घटना से जहां संपूर्ण नगर व क्षेत्र में दहशत का महौल देखने मिल रहा है तो दूसरी ओर लोगों द्वारा नगर की लगातार बिगड़ती हुई कानून व्यवस्था तथा अपराधिक घटनाओं को अंजाम देने वालों के दिलों में पुलिस की दहशत समाप्त होने के चलते पुलिस की कार्य प्रणाली पर सबाल खड़े किये जा रहे है? अब देखना यह है कि आखिरकार इस तरह दिन दहाड़े युवक को मौत के घाट उतारने वाले आरोपियों को पुलिस पकड़ने में कब तक सफल होती है यह तो आने वाला समय ही बतायेगा..?

ग्राम पिठेहरा- भूमियाढाना में आयोजित हुई ग्राम चौपाल, ग्राम विकास की अवधारण सहित शासन की योजनाओं पर हुई चर्चा

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। तहसील क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले जनपद पंचायत चांवरपाठा के ग्राम पिठेहरा- भूमियाढाना में ग्राम विकास की अवधारणा पर स्वेच्छिक एवं सामुदायिक सहभागिता और शासन की विभिन्न योजनाओं व कार्यक्रमों के क्रियान्वयन के संबंध में जनअभियान परिषद के

तत्वावधान में ग्राम चौपाल आयोजित की गई। बताया जाता है कि इस ग्राम चौपाल के दौरान ग्राम को विवाद मुक्त, नशा मुक्त, कुपोषण मुक्त, टीकाकरण युक्त के साथ- साथ जल, पर्यावरण संरक्षण व संवर्धन, जैविक कृषि को बढ़ावा देने के साथ साथ स्वच्छता, गौसंवर्धन व संरक्षण और शासन की योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों को शत प्रतिशत पहुंचाने आदि विषयों पर चर्चा की गई। गांव के शत प्रतिशत बच्चों को शाला में प्रवेश कराने, आंगनबाड़ी केन्द्र को गोद लेकर उसका सुचारू संचालन, नियमित व निर्धारित गतिविधियों के संचालन के संबंध में ग्रामवासियों से चर्चा करते हुये उन्हें जागरूक किया गया। वही बताया जाता है कि इसके अलावा सभी आयामों पर सामुदायिक सहभागिता के साथ कार्य करने के संबंध में प्रशिक्षण भी दिया गया। इस अवसर पर जिला समन्वयक जनअभियान परिषद जयरायण शर्मा, विकास खंड समन्वयक धर्मेन्द्र चौहान, नवांकर संस्था, सेवा समिति बिल्थारी के सचिव, जनकल्याण समिति ईश्वरपुर के अध्यक्ष, ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति पिठेहरा के सभी पदाधिकारी व सदस्य, समाजसेवी और ग्रामीणजन मौजूद थे।

विकास खंड मैनेजमेंट यूनिट की बैठक में दिये निर्देश, एफएलएन की हो सक्रिय मॉनिटरिंग

हरिभूमि न्यूज/चीचली। जनपद शिक्षा केन्द्र चीचली में बीपीएमयू बैठक का आयोजन किया गया। बताया जाता है कि इस बैठक को संबोधित करते हुए जिले के निपुण प्रोफेशनल पीयूष चोपावर द्वारा पीपीटी माध्यम द्वारा एफएलएन की लक्ष्य अनुसार सक्रिय मॉनिटरिंग तथा मुख्य माप दंडों का प्रदर्शन, शिक्षक संदर्शिका का उपयोग, मेंटरिंग, वर्क बुक की जांच एवम गलती पर सुधार कार्य, एफएलएन मेला आयोजन इत्यादि पर विस्तृत चर्चा की गई। वही विकास खंड स्रोत समन्वयक डी के पटेल एवं बीएसी अरुण दुबे के द्वारा यू डाइस प्लस पोर्टल फीडिंग, निशुल्क पाठ्य पुस्तक की पोर्टल एंट्री की समीक्षा, दिव्यांग छात्रों की पोर्टल पर एंट्री, दैनिक एवं मासिक पी एम पोषण आहार के मैसेज, शैक्षिक संवाद, स्मार्ट क्लास संचालन पर चर्चा की गई। एमआईएस कोऑर्डिनेटर दीपक श्रीवास्तव द्वारा पावर प्वाइंट प्रजेंटेशन के माध्यम से अपार आईडी से संबंधित विस्तृत प्रशिक्षण प्रदान किया गया। 4 दिसम्बर को संपन्न राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण के सफलतापूर्वक पूर्ण होने पर एवं सर्वे में चयनित विद्यालयो में विद्यार्थियों की कक्षावार शत प्रतिशत उपस्थिति होने पर विकासखंड के इस सर्वे के प्रभारी सत्यम ताम्रकार द्वारा सर्वे में संलग्न समस्त बीएसी, जनशिक्षको, नेस क्लस्टर प्रभारी, विकास खंड एवं क्लस्टर कोर कमेटी के सदस्यों का आभार जताया । इस बैठक में अरुण दुबे, सत्यम ताम्रकार, अजय नामदेव, प्रमोद साहू, संजय सोनी, हरिओम स्थापक, ललित पाराशर, हरीश गुप्ता, नरेश मेहरा, अमर सिंह चौधरी, कैलाश कहार सहित अन्य लोग मौजूद थें।

क्या नगर की इस धरोहर को ध्वस्त होने के बाद खुलेगी नगर पालिका प्रशासन की कुंभकर्णी निद्रा...?

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। जहां एक ओर स्थानीय नगर पालिका प्रशासन द्वारा अपनी संपत्ति को लेकर जिस प्रकार की उदासीनता बरती जा रही है उसका शायद ही इससे बड़ा कोई दूसरा उदाहरण देखने नही मिल पायेगा? क्योंकि ठीक नगर पालिका कार्यालय के पास वर्षो पुरानी बनी हुई शहर की सबसे बड़ी पानी टंकी जिसे धरोहर के रूप में देखा जा रहा है और यह पानी टंकी नगर के साथ साथ संपूर्ण क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बना चुकी है वही टंकी इन दिनों जिस प्रकार से बदहाली का शिकायत होते हुये देखी जा रही है उससे यह अनुमान लगने से नही चूक पा रहा है कि शायद नगर पालिका के

अधिकारियों की कुंभकर्णी निंद्रा इस धरोहर के पूर्णरूप से ध्वस्त होने के बाद भी भंग होगी..? क्योंकि इन दिनों से जिस तरह इस टंकी के आधार स्तभ यानि की पायों से एक एक करते हुये छपाई की धापर गिरते हुये देखी जा रही है उसके चलते निश्चित तौर से इस टंकी का भविष्य खतरे में पड़ने से नही चूक पा रहा है तो दूसरी ओर नगर पालिका द्वारा चलाये जाने वाले स्वच्छता सर्वेक्षण पर भी यहां पर फैल रही गंदगी सबाल खडे करते हुये जान पड़ रही है? नगर के आलवा संपूर्ण क्षेत्र में अपनी एक अलग पहचान बना चुकी प्रसिद्व इस पानी की टंकी का हाल इस तरह का बना हुआ है कि शायद इसके निर्माण से लेकर आज तक नगर पालिका द्वारा इसकी पुताई कराना भी उचित नही समझा गया है। मगर इसके बाद भी यह टंकी अपने आस्तित्व को बचाने के लिये खड़ी रहते हुये जहां नगरवासियों के प्यासे कंठो को प्यासे बुझाते हुये अपनी बदहाली पर आंसू बहाने के लिये मजबूर होने से नही चूक पा रही है? यदि समय रहते हुये इस टंकी के ओर नगर पालिका प्रशासन द्वारा ध्यान नही दिया गया तो निश्चित यह टंकी नगर वासियों की आंखों से ओझल होने में ज्यादा महिनों का समय नही लगा पायेगी?

जहां तहां शासकीय हैंड पंपों में मोटर डालकर निजी लोगों द्वारा कर लिया कब्जा, पानी के लिये भटक रही ग्रामीणजन

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। इस समय देखने मिल रहा है कि जहां अनेक गांवों में बिजली की अघोषित हो रहे कटौती के चलत ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को पीने के पानी को लेकर भटकरने के लिये मजबूर होना पड़ रहा है। क्योंकि गांवों में शासन द्वारा लगाये गये हेण्ड पंपों की स्थिति इस प्रकार से बनी हुई है कि उनका जल स्तर नीचे की ओर गिर जाने के कारण वह पानी की जगह हवा उगलते हुये देखे जा रहा है। वही दूसरी ओर जहां पर हेण्ड पंप सही सलामत है तो वहां पर गांव के ही प्रभावशालियों द्वारा इन शासकीय हेण्ड पंपों में अपनी निजी मोटर डालते हुये उन पर कब्जा करने में कोई कसर नही छोड़ी गई है, जिसके चलते इन प्रभावशालियों द्वारा शासकीय हेड पंपों में डाली गई मोटरों के चलते जहां वह अपने निजी कामों में उपयोग करते हुये अपने घर के वाडो में सब्जी पैदा करते हुये देखे जा रहे है? मगर आम गरीब ग्रामीणजन दो दो बूंद पानी के लिये भटकने के लिये मजबूर होने से नही चूक पा रहे है? इस प्रकार की सच्चाई को लेकर आये दिन प्रशासन को अवगत कराये जाने के बाद भी प्रशासन द्वारा इस प्रकार से शासकीय हेंड पंपों पर कब्जा करने वालों के खिलाफ कार्यवाही नही किये जाने का परिणाम है कि उनके हौसले लगतार बुलंद होने से नही चूक पाते है जिसके चलते क्षेत्र के अनेक गांवों में आज भी जहां तहां शासकीय हेंड पंपों में निजी मोटर डली हुई आसानी से देखी जा सकती है। यदि इस सच्चाई कुछ ज्यादा ही उजागर होने लगती है तो संबंधित विभाग द्वारा इन प्रभावशालियों को संरक्षण देते हुये उनके द्वारा डाली गई इस प्रकार से नियम विरूद्व मोटरों पर गांव वालों की सहमति का प्रमाण पत्र का पंचनामा बनबाते हुये कार्यवाही को इतिश्री कर दिया जाता है? जिसके चलते ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबों के लिये पीने के पानी को लेकर भटकने के लिये मजबूर होना पड़ जाता है। जबकि नियम अनुसार तो कार्यवाही इस प्रकार से होना चाहिये की किसी भी शासकीय संपत्ति का इस प्रकार से उसके साथ छेड़खानी करने वालों पर सख्त कार्यवाही होना जरूरी होना चाहिये, मगर विभाग की उदासीनता कही जावे या फिर मिली भगत का परिणाम जिसके चलते अनेक गांवों में प्रभावशालियों का आम लोगों को पानी उपलब्ध कराने के लिये शासन की राशि से लगाये गये हेड पंपों पर कब्जा देखने मिल रहा है?

क्षेत्र की पंचायतों में हुये निर्माण कार्यों की जांच से उजागर हो सकती है गुणवत्ता की सच्चाई?

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका। जिस प्रकार से लोग अपनी ग्राम पंचातयों में किसी जनप्रतिनिधि का चुनाव करती है तो उसे उससे काफी उम्मीदे रहते हुए ग्राम के विकास की बाट जोही जाती है। मगर अक्सर देखा जाता है कि कुर्सी मिलने के बाद वह ग्राम विकास को भूलकर सिर्फ अपनी विकास की ओर ध्यान देने से नही चूकता है? इस बात की सच्चाई ग्राम पंचायतों के पूर्व सरपंचों के कार्यकाल खत्म होने के बाद जब नई पंचातयों का गठन हुआ तो ऐसा जान पड़ा की शायद अब ग्रामों की तस्वीर बदल जावेगी? मगर ऐसा कुछ हुआ जान नही पड़ रहा है और पंचायतों के नये कार्यकाल को लगभग दो वर्ष बीतने को हो चुके है यदि पूर्व के समय के सरपंचो के कार्यकाल पर गौर किया जावे तो उनके द्वारा किये गये भ्रष्टाचार को लेकर अनेक ग्राम पंचायतों की कार्य प्रणाली के खिलाफ आज भी अंगुली उठ रही रही हैं? सरपंचों के खिलाफ शिकायतों का अनवरत सिलसिला जारी है, जिम्मेदार अधिकारियों के पास ऐसी अनेक शिकायतें निराकरण की बाट जोह रही है जिनकी यानि निष्ठा के साथ जांच हो जावे तो पंचायतों में हुए घोटालों की सच्चाई सामने आ सकती है? वैसे सच यह भी है कि यदि प्रशासन इन शिकायतों के प्रति गंभीर रूप अख्तियार करता तो अनेक ग्राम पंचायतों के सरपंचो द्वारा पूर्व में डकारी गई शासकीय राशि अपने घर से चुकानी पड सकती है? दरअसल ग्राम पंचायतों में निर्माण कार्य सबसे अधिक शिकायतों के केन्द्र बिन्दु बने हुए हैं? निर्माण कार्यों में अनियमितता बरतने की शिकायत आम तौर पर है क्योंकि सरपंचों के पास पांच लाख रूपये तक के निर्माण कार्य किये जाने का अधिकार था और बाद में सरकार द्वारा उसमें बढ़ोत्तरी करते हुये डबल करने में कोई कसर नही छोड़ी गई थी, जिसका उन्होंने खुलेआम दुरूपयोग करते हुए अनेक पंचायतो में गुणवत्ताहीन किये गये निर्माण कार्य आज खुली गवाही दे रहे है। भले ही इन निर्माण कार्यों का मूल्यांकन तकनीकी विशेषज्ञों द्वारा अपनी जुगाडू व्यवस्था के साथ करा दिया गया हो,परंतु कतिपय यंत्री और उपयंत्रियों की मिली भगत भी इनमें रही है यही कारण है कि मूल्यांकन के निकार्ड से तो बेहतर निर्माण कार्य का हुआ है परंतु निर्मित कार्य घटिया ही साबित हो रहे है? जिनकी सच्चाई वह निर्माण कार्य स्वयं ही बता रहे है? इतनी ही नहीं कुछेक ग्राम पंचायतों में तो यह आरोप भी लगाया जाता है कि निर्माण हुआ ही नहीं और पैसा खर्च हो गया, वैसे ऐसे आरोपों की तत्काल और गंभीरता से जांच होनी चाहिये, जिससे पूर्व के सरपंचों की खाई हुई मलाई ऊपर आ जावे तथा वर्तमान जनप्रतिनिधि उनके नक्शे कदम पर न चले, अपेक्षा है कि क्षेत्र के जनपद पंचायत चीचली क्षेत्र में पूर्व सरपंचों के कार्यकाल में हुए निर्माण कार्यों की जांच की जावे तो अनेक प्रकार से चौकाने वाली सच्चाई आने से नही रूक सकती है?

चीचली शहर की लगातार बिगड़ रही यातायात व्यवस्था को सुधारने में असफल हो रही पुलिस

हरिभूमि न्यूज/चीचली। यातायात व्यवस्था सुधारने से लेकर लोगों को कानून का पाठ पढ़ाने के लिये आये दिन पुलिस को क्षेत्र की सड़को पर अपने हाथों में एक डायरी रूपी कट्टा रखे हुये चालानी प्रक्रिया को अंजाम देते हुये देखा जा सकता है। मगर इस समय जिस प्रकार से चीचली नगर के अंदर जो यातायात व्यवस्था बिगड़ी हुई है उस ओर चीचली पुलिस द्वारा किसी भी प्रकार का ध्यान नही दिये जाने का परिणाम इस प्रकार से देखा जा रहा है कि जहां नगरवासियों को अनेक प्रकार की परेशानियों का सामना करने के लिये मजबूर होते हुये देखा जा रहा है। वही दूसरी ओर महिलाओं को नगर के अंदर की सड़को से निकलना मुश्किल हो चुका है..? क्योंकि इस समय नगर के बाजार क्षेत्र की मुख्य सड़क पूर्णरूप से वाहन स्टेन्ड के रूप में नजर आने से नही चूक पा रही है, क्योंकि जिस प्रकार से वाहन मालिको द्वारा अपने वाहनों को मुख्य सड़क सहित लोगों के घरों के सामने खड़े किये जा रहे है उसके चलते नगर की सड़को से वाहन निकलने की बात तो दूर पैदल निकलना भी मुश्किल हो चुका है। वही दूसरी ओर जिस प्रकार से लोगों के घरों के सामने वाहन खड़े किये जा रहे है

दुकानों से लेकर वाहनों में भी धड़ल्ले से हो रहा घरेलू गैस का उपयोग, प्रशासन की भूमिका बनी संदिग्ध?

हरिभूमि न्यूज/सांईखेडा। जहां एक ओर लोगों को इस समय गैस प्राप्त करने के लिए परेशान होते हुए देखा जाता है। वही दूसरी ओर घरेलू गैस का व्यवसायिक उपयोग प्रतिबंधित है। मगर इसके बाद भी देखा जा रहा है कि नगर में जहां खुलेआम घरेलू गैस को नियम विरूद्व तरीके से दुकानों पर व्यवसायिक रूप से उपयोग हो रहा है। इस बात की सच्चाई सड़को पर आलू बंडा, चाट, मुंगोडी और अंडे का ठेला लगाने वाले बेहतर जानते है? जब भी किसी अधिकारी को कानून का पालन करानें की याद आती है तो सड़क किनारे से 4-5 सिलेंडर जप्त कर लिये जाते है, परंतु रसूखदार मालिको के बड़े प्रतिष्ठानो पर कार्यवाही करने में अधिकारियो के हाथ में न जाने क्यो दही जम जाता है? घरेलू गैस के दुरूपयोग को रोकना खाद्य एवं आपूर्ति विभाग की जिम्मेदारी है मगर विभाग द्वारा दिखाई जाने वाली सुस्ती से घरेलू उपभोक्ताओं के हक पर डाका डाल रहे होटल संचालको व अन्य व्यवसायियो के हौसले बुलंद है। शादियो में खुलेआम हो रहा दुरूपयोग- यह अधिकारी जम शाम ढले किसी समारोह में सह परिवार पहुंचते है तो वहां हर स्टॉल पर घरेलू सिलेंडरो पर रखे कड़ाहो से विभिन्न व्यंजन तलकर निकलते है तो वे इनका आनंद लेते हुई दिखाई दे सकते है? इस प्रकार से घरेलू सिलेंडरो का मुद्दा कैटरर्स के पाले में आते ही उनके रसूख और शादियो के ढोल ढमाको में दबकर रह जाता है। वही देखा जावे तो प्लेट्स के आधार पर बिल चार्ज करने वाले कैटरर्स को व्यवसायिक काम के लिए कामर्शियल सिलेंडरो का उपयोग करना गंवारा नही है जिसके चलते प्रतिदिन दर्जनो सिलेंडर खाली कर देने वाले इन कैटरर्स को कभी गैस संकट का सामना भी नही करना पड़ता है। इस प्रकार से घरेलू गैस की बढ़ती कीमतो ने भले ही खाने का स्वाद बिगाड़ दिया हो मगर आयोजनों में खाना बनाने वाले पूरी दिलैरी के साथ लोगो को लजीज व्यंजनो का स्वाद चखा रहे है। रसोई गैस में दौड़ रहे वाहन इतना ही नही यदि गौर किया जावे तो क्षेत्र मे सैकड़ो की तादाद में सीएनजी ईधन से चलने वाले वाहन दौड़ रहे है वही दूसरी ओर जिले में कही भी सीएमजी रिफलिंग सेन्टर नही है, जो वाहन चालक अपने वाहन में वास्तव में सीएनजी भराना चाहता है उसे किसी दूसरे बड़े महानगरों के रिफलिंग सेन्टर जाना पड़ेगा, ऐसे में अब प्रश्न यह उठता है कि इन्हे सीएनजी गैस टेंक में डालने कहां से मिलती है जाहिर सी बात है उपभोक्ताओं के हिस्से की टंकी इन्ही वाहनो में रिफिल की जा रही है, जिसके चलते शहर में आये दिन चोरी छुपे 100-50 रूपये में रिफिल किये जाने का कारोबार जोरो पर है? जबकि देखा जावे तो इस प्रकार से रसोई गैस से वाहनो को दौड़ाने के चक्कर में आये दिन किसी ने किसी शहर में हादसे होने की खबर आती रहती है मगर इसके बाद भी प्रशासन का रवैया गैर जिम्मेदाराना होना चिंता की बात है? जबकि इस प्रकार से संभावित हादसो और घरेलू गैस की किल्लत को रोकने के लिये यह बेहद आवश्यक है कि विभागीय अधिकारी गंभीरता दिखाते हुए इन पर नकेल कसने का प्रयास करें एवं जिन स्थानो पर असुरक्षित तरीके से गैस रिफलिंग का काला कारोबार चल रहा है उन ठिकानो पर छापामारी कर उन्हे सबक सिखाया जाये, वही विवाह समारोहो एवं अन्य ऐसे आयोजन जहां घरेलू गैस के दुरूपयोग पर भी अंकुश लगना जरूरी है?

खबर संक्षेप

झूठी रिपोर्ट और मामला दर्ज कराने का आरोप

डिंडौरी। कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत पुरानी डिंडौरी वार्ड क्रमांक 15 में निवासरत एक महिला ने अपने पड़ोसियों पर झूठी रिपोर्ट कर उसके खिलाफ मामला दर्ज कर परेशान किए जाने की शिकायत कलेक्टर से करते हुए उचित कार्रवाई की मांग की है। शिकायत में सीता बाई पति उग्रसेन राठौर आयु 55 वर्ष ने आरोप लगाया कि माधवशरण पिता स्व. बेनी सिंह आयु 65 वर्ष, उपेन्द्र पिता माधवशरण आयु 40 वर्ष, बलेन्दू पिता माधवशरण आयु 38 वर्ष, संजूलता पति उपेन्द्र आयु 36 वर्ष, नरबदिया बाई पति बलेन्दू आयु 35 वर्ष, कमल सिंह पिता बेनी सिंह आयु 58 वर्ष, कीरत सिंह पिता शोभाराम आयु 61 वर्ष सभी निवासी वार्ड न 15 पुरानी डिण्डौरी द्वारा झूठी शिकायत दर्ज कराकर मामला दर्ज करवाकर हमेशा मुझे परेशान किया जाता है। महिला ने बताया कि मैं एक गरीब व कृषक मजदूर वर्ग की महिला हूँ। अनावेदक सम्पन्न व्यक्ति है, तथा उनका परिवार नौकरी पेशा वाला है। उनका मकान व बाडी मेरे निवासरत मकान से लगा हुआ है। अनावेदकगणों द्वारा हमेशा झूठी शिकायत दर्ज कराकर परेशान करने की गरज से मामला पंजीबद्ध कराया जाता है। अनावेदकगणों के द्वारा उल्टा मारपीट करने व गाली गलौच करने के सम्बंध में झूठी शिकायत दर्ज कराकर झूठा मामला पंजीबद्ध करा दिया जाता है। महिला ने आरोप लगाया कि अनावेदकगणों द्वारा हमेशा खुद विवाद करते हुए कई बार मारपीट किया गया है। जिसकी शिकायत पुलिस थाना में भी की है। महिला ने उचित कार्यवाही की गुहार लगाई है।

कलेक्टर की अध्यक्षता में राजस्व महाअभियान 3.0 की समीक्षा बैठक संपन्न

डिण्डौरी।कलेक्टर हर्ष सिंह ने राजस्व महाअभियान 3.0 के संबंध में राजस्व मामलों की समीक्षा की। उक्त बैठक में अपर कलेक्टर श्री सरोधन सिंह, सीईओ जिला पंचायत श्री अनिल कुमार राठौर, संयुक्त कलेक्टर श्री सुनील शुक्ला, एसडीएम शहपुरा ऐश्वर्य वर्मा, एसडीएम बजाग सुश्री भारती मेरावी, एसडीएम डिंडौरी रामबाबू देवांगन, डिप्टी कलेक्टर वैधनाथ वासनिक सहित अन्य राजस्व अधिकारी उपस्थित रहे।कलेक्टर ने राजस्व महाअभियान 3.0 के तहत लंबित राजस्व प्रकरणों का निराकरण, नामांतरण, बटवारा, अभिलेख दुरूस्ती, सीमांकन, परंपरागत रास्तों का चिन्हांकन, नक्शे में बटांकन, पीएम किसान, आधार लिंकिंग, परंपरागत रास्तों का चिन्हांकन, आधार से आरओआर खसरे की लिंकिंग, फार्मर रजिस्ट्री, स्वामित्व योजना की विस्तार से समीक्षा की। कलेक्टर श्री हर्ष सिंह ने राजस्व महाअभियान 3.0 के तहत दिए गए प्रत्येक घटक के लक्ष्यों और प्रकरणों के निपटान की विस्तार से जानकारी ली। जिसमें बताया गया कि बटवारा, अभिलेख दुरूस्ती, सीमांकन, में 70 प्रतिशत से अधिक लक्ष्य प्राप्त कर लिए गए हैं तथा लंबित प्रकरणों पर सतत रूप से कार्य जारी है। कलेक्टर श्री हर्ष सिंह ने अभियान के दौरान संतोषजनक कार्य न करने वाले संबंधित पटवारियों को चिन्हित कर उन पर कार्यवाही करने के लिए समस्त अनुविभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया।

जनपद पंचायत डिण्डौरी की ग्राम पंचायत पोंडी माल का मामला

जांच को प्रभावित करने सचिव ने थैला समेत गुमा दी माप पुस्तिका, दर्ज करा दी शिकायत

सचिव की बड़ी लापरवाही आयी सामने, ग्राम पंचायत के सचिव ने पुलिस में दर्ज करायी शिकायत

डिंडौरी। जनपद पंचायत डिण्डौरी अंतर्गत ग्राम पंचायत पोंडी माल के नित नये मामले सामने आते रहे है । सरपंच सचिव शासन के नियम निर्देषों को धता बताते हुए मनमाना रवैया अपना रहे है । आलम यह है कि सप्लायरों को मापदंड के विपरीत भुगतान किये जाने के साथ साथ निजी खातो में भी राषि भुगतान किया जा रहा है। वहीं निर्माण कार्यो में भी जमकर धांधली की जा रही है। कुछ एक मामलों मे ग्रामीणों की षिकायत के बाद प्रषासन ने सज्ञान लेते हुए जांच कार्यवाई को अंजाम दिया है। लेकिन ग्राम पंचायत के जिम्मेदारों में तनिक मात्र भी प्रषासन का खौफ नही है और अपनी कार्यप्रणाली को बदस्तूर जारी रखा है। निजी स्वार्थ के चलते सरपंच सचिव पर आपसी खींचतान की भी चर्चायें सामने आती रही है और इस बावद षिकायत भी प्रषासन तक पहुंच रही है। अब ग्राम पंचायत का नया कारनामा उजागर हुआ है जिसकी षिकायत पुलिस तक भी पहुंची है लेकिन ग्रामींणों को यह बात हजम नही हो रही है और इसकी जांच की मांग उठने लगी है।

क्या है मामला -

ग्राम पंचायत पोंडी माल के सचिव जोहन सिह कोरबा ने कोतवाली में लिखित षिकायत करते हुए बतलाया कि ग्राम पंचायत के निर्माण कार्यो की माप पुस्तिका गुम हो गई है उल्ल्लेख किया गया है कि निर्माण कार्य की माप पुस्तिका संधारित किये गये थे और 29 नवम्बर 2024 को कार्यालय ग्राम पंचायत से डिण्डौरी आते समय रास्ते में गिर जाने के कारण माप पुस्तिकायें गुम हो गई है। सचिव नें षिकायत में रास्ते में एमबी गुमने का हवाला दिया है यह ग्रामीणों के गले नही उतर रहा है। कारण एक माप पुस्तिका गुमने तक की बात हो तो यह मान भी लिया जाये लेकिन आधा दर्जन माप पुस्तिका एक साथ थैला सहित गिरना और सचिव को अभास नही होना। इसके अलावा मार्ग में आने जाने वाले लोगों की नजर में नही आना कई सवाल खडे कर रहा है।

किस निर्माण कार्य की थी माप पुस्तिका

सचिव की षिकायत पर गौर किया जाये तो गुम हो चुकी माप पुस्तिका संधारित थी और यह संपत्ति ग्राम पंचायत की होती है ,उपयंत्री द्वारा ग्रामं पंचायत में ही निर्माण कार्य का मूल्यांकन कर कार्यालय में ही रखा जाता है। लेकिन सचिव द्वारा डिण्डौरी लेकर आना समझ से परे है। जानकारी के अनुसार 2021-22 में ग्राम पंचायत द्वारा कराये गये निर्माण कार्य जिसमें पुलिया निर्माण नये गांव लागत 10 लाख रूपये ,हितग्राही मूलक कपिल धारा कूप सरजू प्रसादल लागत लगभग 1 लाख 53 हजार रूपये एवं समुद्री बाई लागत लगभग 1 लाख 25 हजार रूपये , सार्वजनिक कूप निर्मल नीर नये गांव , गोयरा और पोंडी प्रत्येक की लागत लगभग 3 लाख 50 हजार रूपये इसके अलावा पशु शेड निर्माण मोहन पिता असढू और फूलसाय पिता बंसू प्रत्येक की लागत 1 लाख 30 हजार रूपये माप पुस्तिका थी।

मौके से गायब है कूप -

ग्राम पंचायत पोंडी माल के पोषक ग्राम गोयरा में हितग्राही मूलक कपिल धारा कूप मौके से गायब है लेकिन मजदूरी और सामग्री का ग्राम पंचायत द्वारा भुगतान जरूर कर दिया गया है । आलम यह है कि दो फीट भी कूप निर्माण के लिए खुदाई नही की गई लेकिन राषि का भुगतान करना यह साबित करता है कि ग्राम पंचायत के जिम्मेदार किस कदर धांधली कर रहे है। गोयरा निवासी शोभाराम पिता तितरा का कपिल धारा कूप स्वीकृत हुआ था और बगैर निर्माण के सामग्री के लिए 75 हजार रूपये और मजदूरी भुगतान 87 हजार रूपये कर दिया गया । ऐसा नही कि ग्राम पंचायत के फर्जीवाडा में सरपंच सचिव की ही भूमिका हो बल्कि तकनीकि अधिकारी उपयंत्री की संलिप्तता को नकारा नही जा सकता ।

सरपंच - सचिव के द्वारा पेयजल कूप का कराया गया घटिया निर्माण, चंद महीनों में चढ़ी भ्रष्टाचार की भेंट

डिंडोरी

एक तरफ सरकार के द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में लोंगो की प्यास बुझाने व दैनिक निस्तार के लिए पेयजल कूप का निर्माण कराया जा रहा है, जिससे लोंगो को किसी भी प्रकार के पेयजल की समस्या न हो,वहीं दूसरी तरफ जिम्मेदारों के द्वारा पेयजल कूप निर्माण के नाम पर भारी भृष्टाचार करते हुए गुणवत्ताविहीन कराकर स्वयं का जेब भरने में लगे हुए है। जिम्मेदारों के द्वारा कराए गए कूप निर्माण चंद महीनों में ही भृष्टाचार की भेंट चढ़ रही है।

चंद महीने में खुल गई गुणवत्ता की पोल

मामला जनपद पंचायत अमरपुर के ग्राम पंचायत देवरी माल का सामने आया है। जहां सरपंच - सचिव के द्वारा वित्तीय वर्ष 2023 - 24 में महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी योजना के तहत लगभग 5 लाख रु की लागत से कोमल के घर पास पेयजल कूप का निर्माण कराया गया है। जो चंद महीने में पेयजल कूप निर्माण में कराए गए गुणवत्ता की पोल खुल गई है। दरअसल पेयजल कूप के बाहरी हिस्सा के चारो तरफ मोटी दरार पड़ गई है। जिससे साफ अंदाजा लगाया जा सकता है कि निर्माण एजेंसी के द्वारा कूप निर्माण के दौरान गुणवत्ता का ख्याल नहीं रखा गया है। बताया गया कि सरपंच सचिव के द्वारा मापदंड को दरकिनार करते हुए कुआं का निर्माण घटिया तरीके से कराया गया है।

मुरुम दबने के कारण फट रही कांक्रीट

जानकारी के अनुसार कुआं निर्माण कराने के बाद कुआं के बाहरी हिस्सा में चारो तरफ फैलाये गए मुरुम ठीक से दबने के बाद ही कांक्रीट किया जाता है,लेकिन यहां सरपंच सचिव के द्वारा मनमानी पूर्वक मुरुम ठीक से दबे बिना ही कांक्रीट कर दिया गया है,जिसके चलते कुआं के बाहरी तरफ के चारो ओर मोटी दरार हो गई है। वहीं दरार वाली जगह में मुरुम धस रही हैं। आशंका जताई जा रही है कि आने वाले समय मे कुआं के बाहरी तरफ की मुरुम नीचे दब जाएगी।

अमरपुर केंद्र में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी प्रारंभ

अमरपुर। धान खरीदी केंद्र अमरपुर जोकि आदिशक्ति वियर हाउस नांदा माल जिसे खरीदी केंद्र बनाया गया हैं। जहां 5 दिसंबर को कृषक अर्जुन यादव समनापुर द्वारा लाया गया उपार्जन से प्रारंभ किया गया। खरीदी पूर्व विधि विधान से पूजन अर्चन उपरांत तौल शुरू किया गया। जहां प्रमुख रूप से महेंद्र ठाकुर पूर्व संचालक जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मंडला, खरीदी केंद्र प्रभारी सुनील दुबे, कंप्यूटर ऑपरेटर नागेन्द्र बट्टे, सर्वेयर केदार नंदा, गोदाम प्रभारी रेवा धुर्वे, लोमेश्वर ठाकुर रामगढ़, आशीष तिवारी आदि मौजूद रहे। वहीं केंद्र प्रभारी ने बताया कि खाली बारदाना की कमी हैं। 2 दिसंबर से खरीदी के आदेश हैं, जोकि आगामी 20 जनवरी 2025 तक खरीदी की जानी हैं। किसानों से एफ. ए. क्यू. स्तर की धान खरीदी जाएगी। जहां पंखा एवं छन्ना की व्यवस्था लेम्पस द्वारा की गई हैं। किसानों की सुविधा का भी विशेष ध्यान रखा जा रहा हैं

खिलाड़ी सहित किसान कर रहे स्टेडियम में धान खरीदी का विरोध

रिकवरी शुदा समिति के सामने नतमस्तक प्रशासन

बजाग। धान खरीदी केंद्र बजाग हमेशा से चर्चाओं में रहा है। लगातार कई वर्षों से जिस भी समिति ने धान खरीदी की है उसे नुकसान हुआ है और उसके नाम पर रिकवरी निकली है। इसी का नतीजा है कि पिछले वर्ष आस पास की समितियों को दरकिनार कर मेहंदवानी की समिति को धान खरीदी के अधिकार दिए गए लेकिन उस समिति पर भी भारी भरकम रिकवरी निकली और समिति को भारी नुकसान उठाना पड़ा। लगातार हो रहे नुकसान और रिकवरी के डर से आमाडोंगरी और बजाग धान खरीदी केंद्र में खरीदी करने के लिए कोई समिति तैयार नही हो रही थी। समिति के ही सूत्रों के अनुसार प्रशासन ने जबरन मेहंद वानी की समिति को दोनों ही केंद्र की धान खरीदी के लिए मनाया।

स्टेडियम में कैसे होगी खरीदी -

पहले प्रशासन द्वारा खरीदी के लिए मनाए जाने से रिकवरी शुदा समिति के हौसले बुलंद हो गए हैं और अब वह मनमानी पर उतारू है। उसने पड़रिया डोंगरी स्थित स्टेडियम में खरीदी का निर्णय लिया है । जबकि किसान और खिलाड़ी इसके विरोध में हैं। विरोध के जायज कारण भी हैं। सबसे पहला कारण तो समनापुर से बजाग मार्ग में कंक्रीट की रोड बन रही है जिस पर भारी वाहन तुरंत नहीं जा सकते यदि गए तो सड़क को नुकसान पहुंचना निश्चित है। स्टेडियम के लिए एप्रोच रोड भी कच्ची हैं यदि दो चार दिन बारिश हो जाती है तो किसानों की खरीदी रुक सकती है। इसके अलावा वहां पीने के पानी की तक व्यवस्था नहीं है। उधर खिलाड़ी भी नाराज हैं स्टेडियम में रोज सुबह आधा सैकड़ा खिलाड़ी क्रिकेट और बॉलीबॉल सहित अन्य खेल खेलते हैं। ग्राउंड में बड़ी मुश्किल से घास आई है और यदि खरीदी हुई तो वाहनों के चलने से ग्राउंड को नुकसान होना तय है। किसानों ने जब समिति के घसीटा साहू से खरीदी अन्यत्र करने की बात की तो रिकवरी शुदा समिति के सदस्य का दो टूक जवाब मिला कि खरीदी यहीं करूँगा नहीं तो करूँगा ही नहीं हद तो यह कि बजाग एस डी एम और तहसीलदार इस बात से डरे नजर आ रहे हैं और किसानों और खिलाड़ियों सहित जनप्रतिनिधियों को जवाब कि उक्त समिति खरीदी नहीं करेगी। मतलब पूरे डिंडौरी जिले में एक रिकवरी शुदा समिति को छोड़ कर प्रशासन को कोई नहीं मिल रहा जो ईमानदारी से बिना शासन को चूना लगाए धान खरीदी कर सके। प्रशासन ने यदि समय पर डिफाल्टर समितियों पर कड़ी कार्यवाही की होती तो आज यह मान मनोव्वल की स्थिति ही निर्मित नहीं होती आज एक डिफाल्टर समिति के सामने प्रशासन नतमस्तक नजर आ रहा है।

इनका कहना है,,,

खेलमैदान में खरीदी होने से दो महीने खेल बन्द रहेगा साथ ही ग्राउंड को नुकसान पहुंचेगा यहां कोई मैदान भी नहीं है जहाँ हम खेल सकें

छोटू नंदा,
क्रिकेट खिलाड़ी पड़रिया

रोड का निर्माण चल रहा है ऐसे में वहां भारी वाहन कैसे जाएंगे रोड को नुकसान होगा साथ ही बारिश होगी तब भी समस्या है।

सुरेश मरावी,
कृषक आमाडोंगरी

प्रायवेट स्कूल को मात दे रहा सरकारी स्कूल

जिले भर में हो रही है शिक्षक की कार्यकुशलता की चर्चा

अमरपुर विकास खंड के सारंगगढ की एकीकृत माध्यमिक शाला

डिंडोरी

जिले के कई सरकारी स्कूलों में लचर शिक्षा व्यवस्था की खबरें आये दिन अखबारों की सुर्खियां बनती है और षिक्षको की कार्यप्रणाली पर सवालिया निषान लगते रहे है। लेकिन एक ऐसा सरकारी स्कूल जहां षिक्षक ने अपनी कार्यषुलता और अनुषासन की मिषाल पेष की है। षिक्षक की सूझबूझ और क्रियाकलापों की चर्चा इन दिनो जिले में हो रही है साथ ही उनकी कार्यप्रणाली से यह स्कूल निजी स्कूलों को मात दे रहा है ,इस स्कूल को न सिर्फ संजोया सँवारा गया है , बल्कि यहां हर रोज मिडडेमील भी मीनू के मुताबिक दिया जाता है । खास बात यह है कि मिडडेमील के लिए सब्जियों भी स्कूल परिसर में ही उगाई जाती है। इतना ही नही यहां के टॉयलेट भी खुद हेडमास्टर ही साफ करते हैं।सरकारी स्कूल की चर्चा जिले भर में हो रही है और सर्व शिक्षा अभियान के अधिकारी ,एसडीएम और कलेक्टर तक सरकारी स्कूल की तारीफ कर रहे हैं । जिला मुख्यालय से करीब 60 किमी दूर अमरपुर विकासखंड के सारंगगढ़ गांव की यह एकीकृत माध्यमिक शाला है जहां पर पहली से आठवीं कक्षा तक 74 बच्चे पढ़ते हैं ! सरकारी स्कूल की खास बात यह है कि यहां पर पदस्थ शिक्षक मधुदीप उपाध्याय ग्रामीणों की मदद से स्कूल परिसर में ही मां की बगिया के नाम से कई प्रकार की सब्जियों का उत्पादन करते हैं और इसी सब्जी का उपयोग मध्यान भोजन में किया जाता है,। ग्रामीण व स्कूल के बच्चों का कहना है कि प्रतिदिन उन्हें मीनू के अनुसार मिडडेमील परोसा जाता है ,थाली में बच्चों को चावल दाल, चटनी और सलाद के अलावा पकोड़े भी दिये जाते है वहीं स्कूल में साफ सफाई का विशेष ध्यान रखा जाता है। यहां तक कि इस स्कूल के शिक्षक मधुदीप खुद शौचालय भी साफ करते हैं ,सरकारी स्कूल में बाल कैबिनेट का भी गठन किया गया है। इस कैबिनेट में बच्चों को प्रधानमंत्री समेत खेल,स्वास्थ,समेत कई विभाग का दायित्व भी सौंपा गया है। सारंगगढ़ के स्कूल में मीडिया की टीम ने भी बच्चों के साथ बैठकर मिड डे मील खाया, स्कूल के बाल कैबिनेट में प्रधानमंत्री का दायित्व निभा रहे योगेश मरावी ने बताया कि इस स्कूल में उन्हें मीनू के अनुसार ही रोजाना मिड डे मील दिया जाता है। इस स्कूल में एक और खास बात देखने को मिली जहां बच्चों को मिडडेमील परोसने के पहले एक टिफिन में बाकायदा खाने का सैंपल रखा जाता है ,जिसमें पंचनामा बनाकर रसोइया,स्कूली बच्चे ओर प्रधानाध्यापक दस्खत करते हैं,ऐसा इसलिए किया जाता है कि मध्यान भोजन खाने से कभी कोई बच्चा बीमार पड़े तो इस टिफिन के खाने को चेक करवाया जा सके। जिले के दूर सुदूर इलाके के स्कूल की तारीफ सर्व शिक्षा अभियान के अधिकारी ,एसडीएम और कलेक्टर तक कर रहे हैं । इस बावद कलेक्टर हर्ष सिंह ने कहा कि ऐसे स्कूल से जिले के और भी स्कूलों को सीख लेने की जरूरत है।जहाँ एक शिक्षक की मेहनत और लगन से सरकारी स्कूल निजी स्कूलों को मात दे रहा है।

उप स्वास्थ्य केन्द्र भवन निर्माण को लेकर दो गांव के ग्रामींणों के बीच खींचतान

डिंडौरी

जनपद पंचायत समनापुर अंतर्गत ग्राम पंचायत माधोपुर के पोषक ग्राम रहंगी में 2016 से उप स्वास्थ्य केन्द्र स्वीकृत है लेकिन किराये के भवन में संचालित किया जा रहा था । और आस पास के ग्रामींण ईलाज कराने पहुंचते है । लेकिन केन्द्र संचालन के लिए नवीन शासकीय भवन स्वीकृत किया जाकर निर्माण कराया जाना है। इसको लेकर माधोपुर और रहंगी के ग्रामींणों की बीच खींचतान मच गई है। विगत दिनों ने माधोपुर के ग्रामींणों ने उप स्वास्थ्य केन्द्र भवन ग्राम पंचायत मुख्यालय माधोपुर में कराये जाने को लेकर कलेक्टर को लिखित आवेदन प्रस्तुत करते हुए मांग की है माधोपुर में स्वास्थ्य केन्द्र भवन का संचालन किया जायेगा तो राम्हेपुर , बरटोला, बहेरा टोला, बैगा टोला, के ग्रामीणों को महज एक किलो मीटर के भीतर स्वास्थ्य सेवा का लाभ मिलेगा । आस पास के ग्रामींण संसाधन विहीन और पिछडे समाज के लोग निवासरत है अल्प संख्या में लोग शासकीय नौकरी में है जबकि रहगी गांव में अधिकतर शासकीय सेवक होने के साथ साथ सभी के पास आवागमन के संसाधन उपलब्ध है। साथ ही रहंगी गांव से महज आधा किलो मीटर की दूरी में सिमरिया गांव में उप स्वास्थ्य केन्द्र संचालित है जहां रहंगी के ग्रामींणों को असानी से उपचार मुहैया हो जाता है। वहीं राम्हेपुर , बैगानटोला, बरटोला, गांव की दूरी लगभग दो से ढाई किलो मीटर की दूरी में है ऐसी दषा में ग्रामींणों को रहंगी तक लंबा सफर तय करना पडेगा । वहीं रहंगी गांव के ग्रामींण बुधवार को राष्ट्रीय मंत्री और शहपुरा विधायक ओमप्रकाष धुर्वे के निवास स्थल पहुंचे और उन्होने मांग की 2016 से रहंगी गांव में किराये के मकान में उप स्वास्थ्य केन्द्र संचालित है और शासन द्वारा स्वीकृत नवीन भवन रहंगी ग्राम में ही बनाया जाये लेकिन सरपंच और इंजीनियर के द्वारा माधोपुर में भवन निर्माण के लिए लेआऊट दिया गया है । जबकि म.प्र.शासन एवं लोक स्वास्थ्य परिवार कल्याण विभाग द्वारा उप स्वास्थ्य केन्द्र रहंगी में आदेषित है। बावजूद इसके मनमानी तरीके से माधोपुर में भवन निर्माण कराया जा रहा है। इस बावद ग्रामींणों ने शहपुरा विधायक से हस्तक्षेप करते हुए रहंगी में निर्माण कराये जाने की मांग की है। मांग करने पहुंचे योगेन्द्र धुर्वे , धूपलाल, गोविंद , अमित मरकाम, रामकिषोर, रायसिंह, रामा यादव, सहित अन्य ग्रामींण शामिल रहे ।

नहरों के अभाव में सिंचाई को पानी के लिए तरस रहे किसान

डिंडोरी अमरपुर

जनपद पंचायत अमरपुर क्षेत्रांतर्गत जल संसाधन विभाग द्वारा बांध निर्माण करा दिए गए हैं। परंतु मापदंड या आवश्यकता अनुसार नहर निर्माण न होने एवं बने नहरों के क्षतिग्रस्त होने की वजह से किसानों को सिंचाई के लिए पानी ही नहीं मिल पा रहा हैं। जिससे स्वाभाविक रूप से किसान चिंतित तो हैं ही और परेशान भी हैं। खासकर अमरपुर जलाशय से अमरपुर के किसानों को ही पानी नहीं मिल पा रहा हैं। कारण की नहर ही अव्यस्थित हैं। जिस नहर की पक्कीकरण हेतु मनरेगा से स्वीकृति दी गई थी। जोकि वर्षों बीत जाने के बाद भी पूर्ण नहीं हो पाया हैं। नहर किनारे लाखों रुपए की रेत और गिट्टी फैली पड़ी हैं। जिससे किसानों का आरोप हैं कि शायद दस्तावेजों में नहर पक्कीकरण का कार्य विभाग द्वारा पूर्ण कर लिया होगा। जिस नहर का पक्कीकरण की पूर्व मरम्मत एवं सफाई कार्य की स्वीकृति भी दी गई थी। फिर नहर की वजह से किसानों को सिंचाई के लिए पानी नहीं मिल पा रहा हैं। इस नहर का पानी डुगंरिया तक ही पहुंच पा रहा हैं। जहां के किसान पानी भी आगे नहीं बढ़ने दे रहे हैं। आए दिन आपस में विवाद होता हैं। जो कभी भी बड़े लड़ाई का रूप ले सकता हैं।

इसी प्रकार खरमेर नदी का भाखा बांध का हैं। जहां कुछ किसान तो ऐसे भी हैं, जिन्हें बांध निर्माण के बाद आज तक पानी नहीं मिला परंतु उनके खेत में सूखी नहर जरूर बनी हुई हैं। नहर किनारे के खेत भी प्यासे हैं। जहां किसान नहर होने के बावजूद भी अपनी व्यवस्था बनाकर सिंचाई से फसल पैदा कर रहे हैं। उक्त इन दोनों बांधों से किसानों को सिंचाई सुविधा मिल ही नहीं पा रही हैं। और सिंचाई का रकवा सिर्फ आंकड़ों में ही बढ़ा हुआ हैं, जोकि धरातल में शून्य नजर आ रहा हैं।

कागजों में हितग्राहियों के नाम शौचालय बना रिश्तेदारों के नाम पर निकाली राशि

डिण्डौरी। जनपद पंचायत डिण्डौरी अंतर्गत ग्राम पंचायत पोंडी माल के पोषक ग्राम गोयरा में दो दर्जन शौचालय निर्माण में पेंच फंसा हुआ है। जिले में स्वच्छ भारत मिशन और स्वच्छ भारत अभियान के तहत ग्राम पंचायतों में शौचालय का निर्माण कराया गया था जिसमें ग्राम पंचायत पोंडी माल भी शामिल है लेकिन यहां जिम्मेदारों की लापरवाही और निजी स्वार्थ साधने के फेर में दो दर्जन शौचालय हितग्राहियों को वंचित रखा गया । लेकिन जिन हितग्राहियों को योजना का लाभ नही मिला उनके नाम पर फर्जी तरीके से शौचालय निर्माण दर्शाकर जीओटेग भी कर दिया गया और अपने रिश्तेदार के नाम पर राशि आहरण कर ली गई। शिकवा शिकायत के बाद भले ही राशि वसूली कार्यवाई की गई लेकिन दो दर्जन हितग्राहियों को आज भी सुविधा घर का लाभ नही मिला।

- चौबीस शौचालय मौके से गायब

ग्राम पंचायत पोंडी माल के पोषक ग्राम गोयरा में 24 शौचालय मौके से गायब हैं यह मामला तब प्रकाश में आया जब हितग्राहियों ने इसकी शिकायत कलेक्टर समेत जिला पंचायत और जनपद पंचायत में की थी। जिसकी जांच में सामने आया कि तत्कालीन रोजगार सहायक भगत हथेष भी गडबडी में शामिल है और उनके द्वारा 24 हितग्राहियों के सुविधा घर की राषि 2 लाख 88 हजार रूपये अपनी पत्नि के खाते में जमा करा दिया गया है। जांच टीम द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन के आधार पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत डिण्डौरी ने शासकीय राशि में गडबडी और शौचालय निर्माण में लापरवाही बरतने का दोषी पाते हुए रोजगार सहायक भगत हथेष की संविदा सेवा समाप्त कर दी थी इसके अलावा 24 शौचालय की राशि वसूली योग्य पाते हुए पत्र भी जारी किया था। इसके बाद रोजगार सहायक द्वारा जनपद सीईओ के आदेश को चुनौती देते हुए मुख्य कार्य पालन अधिकारी जिला पंचायत डिण्डौरी के समक्ष अपील प्रस्तुत की थी जिस पर न्यायालय सीईओ जिला पंचायत डिण्डौरी ने सुनवाई के दौरान गवन की गई राशि वसूली के आदेश दिये थे। जिसके बाद रोजगार सहायक खाते में अलग अलग तिथियों में राशि जमा करते हुए बहाली की माँग की थी। जिस संबंध में सीईओ जिला पंचायत डिण्डौरी ने रोजगार सहायक को बहाली आदेष जारी कर दिया था। तब जीआरएस भगत हातेश को जनपद पंचायत डिण्डौरी संलग्न कर दिया गया था। इस बात से मुह नही फेरा जा सकता कि जिले में स्वछता पखवाड़ा मनाया जा रहा किंतु 24 शौचालय हितग्राहीयो के यहां नही बनने से किस तरह स्वछता पखवाड़ा मनाया जा रहा है ये आम जनता भी समझ रही है।

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

10

जबलपुर, शुक्रवार 6 दिसंबर 2024

login : www.haribhoomi.com

करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल

खबर संक्षेप

कार्यपालिका समिति की बैठक आज

नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले की अध्यक्षता में वित्तीय वर्ष 2024- 25 के लिए जिला खनिज प्रतिष्ठान के अंतर्गत किये जाने वाले कार्यों की वार्षिक कार्ययोजना तैयार करने व अनुमोदन के लिए कार्यपालिका समिति की बैठक 6 दिसम्बर को अपराह्न 4 बजे कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित की जायेगी। यह जानकारी अपर कलेक्टर नरसिंहपुर ने दी है।

कवयित्री अपर्णा चौबे की दूरदर्शन पर प्रस्तुति 8 को

नरसिंहपुर। युवा कवयित्री अपर्णा चौबे की कविताओं का प्रसारण दूरदर्शन भोपाल पर काव्यांजलि कार्यक्रम में 8 को दोपहर 12 से 1 बजे के मध्य किया जायेगा, अपर्णा चौबे कवि एवं संगीतकार कृष्णकांत चौबे एवं श्रीमती बबीता चौबे की पुत्री हैं संगीत के साथ -साथ काव्य लेखन में सक्रिय हैं कार्यक्रम में मध्यप्रदेश के भोपाल, इंदौर, खरगोन, सागर, गाडरवारा, नरसिंहपुर के कवि एवं कवयित्री काव्य पाठ करेंगे।

78 वां स्थापना दिवस समारोह आज

नरसिंहपुर। होमगार्ड तथा नागरिक सुरक्षा एवं आपदा प्रबंधन मध्य प्रदेश द्वारा 78 वॉ स्थापना दिवस समारोह कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले के मुख्य अतिथि एवं पुलिस अधीक्षक श्रीमती मृगाखी डेका के विशिष्ट आतिथ्य में 6 दिसंबर को प्रातः 10 बजे होमगार्ड लाइन नरसिंहपुर में आयोजित में किया जायेगा। यह जानकारी डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट होमगार्ड टीआर चौहान ने दी।

कृषि विज्ञान केन्द्र कर्मचारियों द्वारा कलम बंद हड़ताल प्रारंभ

नरसिंहपुर। गत दिवस कृषि विज्ञान केन्द्र मे पदस्थ्य कर्मचारियों द्वारा अपनी मांगो को लेकर कलम बंद हड़ताल की जा रही है। फोरम ऑफ केवीके एंड ए आई सी आर पी द्वारा आयोजित आई सी ए आर एवं नियोक्ता द्वारा कृषि विज्ञान केन्द्रों के प्रति किये जा रहे अन्याय के खिलाफ एक दिवसीय देश व्यापी विरोध प्रदर्शन हड़ताल का आयोजन किया गया। किसानों की प्राथमिक पाठशाला एवं कृषि के नवाचार को खेतों तक पहुंचाने में विगत पांच दशको के कृषि विज्ञान केन्द्रों के वैज्ञानिकों की अथक परिश्रम एवं प्रयासों का प्रतिफल भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद एवं जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय द्वारा वैज्ञानिकों एवं कर्मचारियों को पिछले चार माह से वेतन एवं अन्य राशि का भुगतान नहीं किया जा रहा है। ऐसी अनेक मांगो को लेकर हड़ताल की जा रही है। हड़ताल में डॉ विशाल मेश्राम, डॉ आशुतोष शर्मा, डॉ एस आर शर्मा, डॉ प्रशांत श्रीवास्तव, डॉ निधि प्रजापति, डॉ विजय सिंह सुर्यवंशी, श्रीमति रजनीप्रभा कोरी, राजकुमार विश्वकर्मा, नरेन्द्र प्रसाद रैकवार केन्द्र के वैज्ञानिक एवं कर्मचारियों की उपस्थिति रही ।

बरमान मेला समीति की बैठक आज

तेंदूखेड़ा आगामी 14 जनवरी मकर संक्रांति से 30जनवरी तक लगने वाले भगवान ब्रह्मा की तपस्थली ब्रम्हांड घाट के मेले की प्रारंभिक तैयारियों को लेकर विश्राम गृह बरमान में दोपहर 12 बजे से होने वाली इस बैठक में जिले की कलेक्टर एवं अन्य विभागीय अधिकारी कर्मचारी भी प्रमुख रुप से उपस्थित रहेंगे।

कलेक्टर ने दिलाई शपथ

हम होंगे कामयाब के तहत कलेक्टर ने किया संवाद

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

गत दिवस कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले की अध्यक्षता में शासकीय श्याम सुंदर नारायण मुशरान महिला महाविद्यालय नरसिंहपुर में आयोजित हम होंगे कामयाब अभियान के दौरान सकारात्मक पुरूषत्व विषय पर संवेदीकरण पर संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। इस दौरान बाल विवाह मुक्त भारत की शपथ भी दिलाई गई। संवाद कार्यक्रम में कलेक्टर श्रीमती पटले ने कहा कि महिलाओं के अधिकारों की बात हो रही है। भारतीय स्वतंत्रता प्राप्ति के समय ही हमारे पूर्वज संविधान निर्माताओं ने महिलाओं को बराबरी का दर्जा देते हुए लोकतंत्र में समानता का अधिकार प्रदान किया है।

कलेक्टर ने दिलाई गई शपथ

कलेक्टर श्रीमती पटले ने समर्पण और संघर्ष के मध्य भेद करते हुए बताया कि यदि एक महिला किसी एक विषय पर समर्पण करती हैं, फिर किसी अन्य विषय पर समर्पण करती हैं, तो पुरुष बार- बार समर्पण की आशा करता है। संघर्ष आपको मजबूत बनाता है और करने की ताकत भी प्रदान करता है। संघर्ष और समर्पण के बीच समझौता भी होता है। समझौता भी हमारे सामाजिक जीवन का हिस्सा है पर समझौते में समझदारी भी होनी चाहिये। समझौते के लिए आत्मविश्वास अत्यंत आवश्यक है। सकारात्मक पुरुष आत्मविश्वास से परिपूर्ण होता है, वह महिलाओं से प्रतिस्पर्धा नहीं करता, बल्कि उनकी प्रगति के लिए पथ प्रदर्शित करता है और महिलाओं को उच्चतम स्थिति में लाने के लिए प्रयास भी करता है। अच्छा पुरुष किसी भी परिस्थिति में महिलाओं को सुरक्षित और सहज बनाये रखता है, जबकि बुरा पुरुष किसी भी स्थिति में शोषण कर सकता है। यदि कोई व्यक्ति में पुरुषत्व है, तो वह सकारात्मक ही होगा, नकारात्मक पुरूषत्व होता ही नहीं है। कार्यक्रम के दौरान बाल विवाह ना करने की शपथ भी दिलाई।

महिलाओं को दी कानूनी जानकारी

स्थानीय परिवाद समिति की सदस्य श्रीमती रंजीता कौरव ने सकारात्मक पुरूषत्व स्पष्ट करते हुए कहा कि आपके घर में ही पिता, भाई, पुत्र, पति, ससुर आदि के रूप में सकारात्मक पुरूषत्व है। सकारात्मक पुरूषत्व को आकार देने का कार्य परिवार की महिलायें ही करती हैं। प्राचार्य श्रीमती कृष्णा शर्मा ने भी अपने विचार व्यक्त किये। बाल संरक्षण अधिकारी सौनिध्य सराठे ने हम होंगे कामयाब अभियान का परिचय देते हुए महिलाओं से संबंधित विषयों एवं कानूनों की जानकारी दी। उन्होंने बाल विवाह, दहेज प्रतिषेध अधिनियम, कार्यस्थल पर महिलाओं पर लैंगिक उत्पीड़न प्रतिषेध, प्रतितोष, प्रतितोषण अधिनियम एवं अन्य महत्वपूर्ण प्रावधानों को सरल भाषा में अवगत कराया। इस अवसर पर प्रभारी प्रशासक वन स्टॉप सेंटर श्रीमती नीरजा वर्मा, श्रीमती अंजिता शर्मा, श्रीमती सविता रैकवार, कु. माधुरी जाटव, अमित उमरे, हेमंत मेहरा और छात्रायें मौजूद थी। कार्यक्रम का संचालन सहायक प्राध्यापक श्रीमती दीपिका चक्रवती और आभार प्रशासनिक अधिकारी डॉ. यतीन्द्र महोबे ने किया।

संवाद कार्यक्रम का आयोजन

हम होंगे कामयाब अभियान के तहत सकारात्मक पुरूषत्व विषय पर संवेदीकरण पर संवाद कार्यक्रम शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान- आईटीआई एवं शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय नरसिंहपुर में आयोजित किया गया। इस दौरान आईटीआई नरसिंहपुर में स्थानीय परिवार समिति की अध्यक्ष श्रीमती संध्या कोठारी, प्राचार्य एस आर पाराशर, सामाजिक कार्यक्रम अमृताष दुबे, श्रीमती चंद्रिका सोनी, श्रीमती ज्योति कटारे, विजय कुमार कुर्मी और विद्यार्थी मौजूद थे।

शतचण्डी महायज्ञ की पूर्णाहुति आज, नगर में बना धर्म मय वातावरण

तेंदूखेड़ा। नगर के प्रतिष्ठित परिवार विप्र कुलभूषण बेदज्ञ शास्त्रज्ञ क्षेत्र में पुराण वाचक के रूप में ख्याति प्राप्त बसेडिया परिवार के वयोवृद्ध पंडित श्री शिव प्रसाद बसेडिया जी के द्वारा आयोजित पाठात्मक शत चण्डी महायज्ञ एवं देवी भागवत महापुराण की आज पूर्णाहुति होगी। क्षेत्र के प्रतिष्ठित विद्वानों द्वारा बेद ध्वनि एवं पाठ के द्वारा धर्ममय वातावरण बना हुआ है। प्रातः काल वेद ध्वनि मंगलाचरण के साथ सभी पीठस्थ देवताओं का पूजन सहस्त्रार्चन शिवार्चन के साथ दुर्गा सप्तशती का पाठ एवं पुराण पाठ का विधिवत आयोजन सायं काल महाआरती के साथ अनुष्ठान चल रहा है। आज हवन शान्ति के साथ यज्ञ की पूर्णाहुति होगी। इस महायज्ञ में क्षेत्र के प्रतिष्ठित विद्वानआचार्य पंडित लक्ष्मी नारायण बारौलिया पं मुकेश शास्त्री पं राममोहन दुबे पं अरबिन्द बारौलिया पं अंशुल दुबे पं मधुर पाठक पं रोहित तिवारी की विशेष सहभागिता है।पुराण पाठ का बाचन आचार्य पंडित प्रमोद पचौरी एवं आचार्य पंडित भूपेंद्र पाठक के द्वारा किया जा रहा है। ज्ञात रहे कि इस परिवार से अधिकांश विद्वानों ने भारत के अनेकों क्षेत्रों में यज्ञ अनुष्ठान भागवत कथाओं के माध्यम से अपने क्षेत्र का नाम रोशन किया है। स्वयं भी समय-समय पर वैदिक ब्रात्मणों द्वारा अनुष्ठान कराते हैं।उसी श्रंखला में इस बर्ष बसेडिया परिवार के सभी पुत्र पौत्रों पं कैलाश बसेडिया पं वासुदेव बसेडिया पं महेश बसेडिया पं अशोक बसेडिया शारदा बसेडिया गोविंद बसेडिया पुरुषोत्तम बसेडिया और पारिवारिक जनों के द्वारा आयोजित महायज्ञ की विधिवत पूर्णाहुति आज होगी।

ब्राइडल हेयर स्टाइल व मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस पीएम श्री शासकीय माध्यमिक लक्ष्मीबाई कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में ब्यूटी एंड वैलनेस और हेल्थ एंड केयर के संयुक्त तत्वाधान में ब्राइडल हेयर स्टाइल और मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया तथा हेल्थ एंड केयर के अंतर्गत वर्किंग मॉडल नॉन वर्किंग मॉडल हेल्थ रिलेटेड मॉडल बनाए गए संस्था की ब्यूटी वैलनेस की व्यावसायिक शिक्षिका श्रीमती योगिता चैबे तथा हेल्थ एंड केयर के अंतर्गत व्यावसायिक शिक्षिका श्रीमती भावना क्षेत्री द्वारा आयोजित की गई। बताया गया कि छात्राएं ब्यूटी विषय को लेकर रोजगार के अवसर को आगे बढ़ा रही है स्वास्थ्य के क्षेत्र में छात्राएं किस प्रकार रोजगार के अवसर विभिन्न संस्थाओं एवं अस्पतालों में प्राप्त करेगी जिसमें ब्यूटी एंड वैलनेस के अंतर्गत ब्राइडल कंपटीशन में प्रथम संयोगिता साहू द्वितीय विद्या पाठक तृतीय सुनीता केवट और हेल्थ केयर के अंतर्गत जिसमें बच्चों से मॉडल बनवाए गए जिसमें प्रथम पुरस्कार सुरभि नेमा द्वितीय पुरस्कार गौरी तृतीय पुरस्कार आस्था साहू को दिया गया इस कार्यक्रम में निर्णायक की भूमिका श्रीमती संभावना पांडे एवं श्रीमती सीमा दुबे एवं श्रीमती माया पटेल ने निभाई इस कार्यक्रम में प्रिंसिपल श्रीमती आशा नेमा एवं प्रभारी गायत्री सोनी संगीता श्रीवास्तव मैडम ज्योति नेमा रंजन दारासिया एवं हरिओम शर्मा सर एवं रवि शंकर ठाकुर सर एवं समस्त शाला परिवार उपस्थित रहा और अपना विशेष सहयोग प्रदान किया।

नेहरू वार्ड की पुलिया टूटी

गोटेगांव। स्थानीय नगरपालिका क्षेत्र के नेहरू वार्ड में पथरया कुंआ रोड पर निर्मित की गई पुलिया को गुणवत्ता के साथ नहीं बनाया गया था। जिसका परिणाम सामने आया कि बीते दिनों इस पुलिया से एक ट्रैक्टर ट्रॉली मलबा भरकर निकल रही थी। तभी मलबे से भरी ट्रॉली पुलिया के टूटे हिस्से में गिर गई,जिसको जेसीबी के माध्यम से बाहर निकाला गया है। इस टूटी पुलिया के हिस्से में लोहा का जाल नहीं है, पुलिया निर्माण में निर्धारित लोहा का इस्तेमाल नहीं किया हुआ जिसके कारण विगत दिवस उक्त पुलिया का हिस्सा नाली में ट्रॉली के साथ समा गया। जिसके कारण आने जाने परेशानी हो रही है इस पुलिया को नगरपालिका गुणवत्ता के साथ नए सिरे से निर्मित कराए,क्योंकि इस पुलिया से होते हुए ही मुख्य सड़क पर राहगीरों का आवागमन होता है।

एड्स दिवस पर रंगोली, चित्रकला व निबंध प्रतियोगिता का आयोजन

नरसिंहपुर। विश्व एड्स दिवस के उपलक्ष्य में नागरिकों में जागरुकता लाने के उद्देश्य से जिले की शासकीय हायर सेकेण्डरी विद्यालयों में प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में कक्षा 9 वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों ने सहभागिता की। निबंध लेखन में कक्षा 11 वीं के छात्र ललित अग्रवाल और पोस्टर मेकिंग- चित्रकला में छात्रा महक जाटव ने उत्कृष्ट कार्य कर लोगों को जागरूकता का संदेश दिया। रंगोली, निबंध व चित्रकला प्रतियोगिता में प्राचार्यों ने विद्यार्थियों को पुरस्कृत कर उन्हें प्रोत्साहित किया। विश्व एड्स दिवस पर जागरूकता अभियान के अंतर्गत सीएम राईज विद्यालय नरसिंहपुर, पीएम श्री शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मुंगवानी, शासकीय हाई स्कूल ठेमी, पीएम श्री

पीएम आवास योजना में फॉर्म भरने के नाम पर लुट रही जनता

गोटेगांव

स्थानीय नगर में केंद्र सरकार द्वारा गरीब हितग्राहियों को पक्का मकान उपलब्ध कराने के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 के तहत ऑनलाइन फॉर्म भरने की प्रक्रिया शुरू की गई है। इस योजना का उद्देश्य गरीब परिवारों को सिर छुपाने के लिए उनका खुद का आशियाना बनवाना है। इसके तहत केंद्र सरकार द्वारा प्रत्येक पात्र हितग्राही को उनके खाते में 2.5 लाख रुपए की राशि प्रदान की जाती है,हालांकि, योजना का लाभ देने के लिए बनाई गई यह प्रक्रिया अब गरीबों के लिए परेशानी का सबब बन रही है।ऑनलाइन सेंटरों पर मनमानी वसूलीनगर में जगह-जगह स्थापित ऑनलाइन केंद्रों पर पीएम आवास योजना के फॉर्म भरने के नाम पर गरीब हितग्राहियों से मनमानी फीस वसूली जा रही है। गरीब जनता, जो पहले ही आर्थिक संकट से जूझ रही है, इन केंद्रों की लूट के कारण योजना का लाभ लेने में असमर्थ हो रही है।आवश्यक दस्तावेज़ बनवाने की जटिलतायोजना के लिए आय प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र,और अन्य दस्तावेज अनिवार्य हैं, लेकिन इन्हें बनवाने की प्रक्रिया गरीबों के लिए बेहद जटिल और खर्चीली साबित हो रही है। दस्तावेज बनवाने के लिए भी एजेंट और दलालों का सहारा लेना पड़ रहा है, जो अतिरिक्त खर्च का कारण बन रहा है।प्रशासन को ठोस कदम उठाने की जरूरतइस समस्या का समाधान निकालने के लिए प्रशासन को निम्न ठोस कदम उठाने चाहिए(1) ऑनलाइन सेंटरों पर प्रशासन को सख्त निगरानी रखनी चाहिए जिससे गरीब हितग्राही से मनमाने पैसे न वसूले जाएं(2)सरल दस्तावेज प्रक्रिया आवश्यक दस्तावेजों को बनाने की प्रक्रिया को सरल और पारदर्शी बनाया जाए,साथ ही पंचायत और नगर स्तर पर विशेष सहायता शिविर लगाए जाएं(3) शिकायत निवारण तंत्रफॉर्म भरने और दस्तावेज़ बनवाने में आ रही समस्याओं के लिए एक हेल्पलाइन नंबर जारी किया जाए, जहां लोग अपनी शिकायत दर्ज करा सकें(4)निःशुल्क सहायता केंद्र गरीब और जरूरतमंद लोगों के लिए निःशुल्क आवेदन सहायता केंद्र की स्थापना होनी चाहिए(5)ऑनलाइन सेंट्रो पर फॉर्म भरने की शुल्क निर्धारित की सूची चस्पा होनी चाहिए जाए,जिससे आम जनता के साथ होने वाली ठगी को रोका जा सके,सरकार को जनजागरूकता अभियान चलाकर योजना की सही प्रक्रिया और शुल्क की जानकारी आम जनता तक पहुंचानी चाहिए। इससे गरीब लोग दलालों और एजेंटों के चंगुल में फंसने से बच सकेंगे,यदि प्रशासन इन समस्याओं पर ध्यान देता है और उचित कदम उठाता है, तो प्रधानमंत्री आवास योजना का सही लाभ गरीबों तक पहुंच पाएगा और उनका स्वयं के पक्के आवास का सपना साकार हो सके।

रेलवे ब्रिज का निर्माण चल रहा कछुआ गति से, सुरक्षा मानकों का हो रहा उल्लंघन

गोटेगांव

स्थानीय नगर के जिला फाटक के पास रेलवे ओवर ब्रिज का निर्माण ठेकेदार के द्वारा किया जा रहा है। इसके लिए ठेकेदार के द्वारा बरौदा रोड के पास से डायवर्सन मार्ग बनाया है। जहां पर ओवर ब्रिज का निर्माण किया जा रहा है। वहां पर रोड के किनारे ठेकेदार के द्वारा निर्माण सामग्री डाली गई है जो बिखर कर रोड पर आती रहती है। वहीं रोड किनारे वाले हिस्से में अन्य कार्य किए जा रहे हैं। यहां संकेत बोर्ड की भी कमी है। रोड के किनारे कार्य करने वाले अन्य वाहन भी खडे. रहते है, जिसके कारण उक्त रोड का हिस्सा पूरी तरह से अस्त व्यस्त हो जाता है। यहां से दिघारी, गोहचर गांव जाने वाले निकलते है। मगर रोड पर फै ली निर्माण सामग्री से आने जाने वालों को दिक्कत हो रही है। इसको समेटने की दिशा में ठेकेदार के लोग किसी प्रकार का कार्य नहीं करते है। जिला फाटक पर जहां पर उक्त निर्माण सामग्री रोड किनारे मौजूद हैं। यहां पर किसी प्रकार के कोई संकेत ही नहीं हैं सिर्फ उस स्थल पर निर्माण कार्य चलने के संकेत लगाए गए है जहां पर ओंवर ब्रिज के पिलर निर्मित हो रहे हैं। अन्य भाग में निर्माण कार्य जो सामग्री बिखरी है वहां

पर रोड पूरी तरह से अस्त व्यस्त रहता है। जहां पर वाहन निकालने में लोगों को दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। इस दिशा में विभाग समुचित कदम उठाए ताकि होने वाली दिक्कत से राहगीरों को राहत मिल सके। कछुआ गति के निर्माण कार्य गुजरात की एक कंपनी के द्वारा किया जा रहा है जिसकी समय समय पर जांच भी होना जरूरी है कितना मटेरियल किस कार्य में मजबूती से किया रहा है जिसकी जांच बेहद जरूरी है। सेतु निर्माण के इंजीनियर भी लापरवाह साबित हो रहे हैं।साइड पर चल रहे निर्माण कार्य का भी निरीक्षण नहीं करते। लोहा कितने एम एम का लगाया जा रहा है कौन सामटेरियल घटिया है या गुणवत्ता पूर्ण है इसकी भी जांच आवश्यक है स्मरण हो कि निर्माण कार्य लिए ठेकेदार का गोटेगांव में ना होना नगर में जन चर्चा का विषय बनता जा रहा है।जिला मुख्यालय पर रहने वाले इंजीनियर जबलपुर से अप डाउन करते है जिससे कार्य प्रभावित होता है। निर्माण कार्य में कार्यरत मजदूरों की सुरक्षा मानकों का भी ध्यान नहीं रखा जा रहा । ऊंचाई पर कार्य कर रहे मजदूरों को हेलमेट और सेफ्टी बेल्ट नहीं पहनाया जाता है।साइड पर मौजूद मजदूरों के पास ऊंचाई से गिरने और स्वयं को दुर्घटना के बचने के लिए कोई साधन भी नहीं हैमजदूरों की जान के साथ किया जा रहा खिलवाड़ धूल भरे वातावरण में कार्य करने वालों के लिए डस्ट गिलास उपलब्ध नहीं है।निर्माण कार्य के दौरान मजदूरों को पहनने वाले जूते और दास्तानें उपलब्ध नहीं किए जा रहे हैं।श्रमिकों के सुरक्षा मानदंडों का पालन भी नहीं हो रहा है।ब्रिज निर्माण कार्य में लगे मजदूर अपनी जान को जोखिम में डालते हुए कार्य कर रहे हैं परंतु ठेकेदार द्वारा मजदूरों की सुरक्षा और स्वास्थ्य को लेकर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है उनकी जान से खिलवाड़ किया जा रहा है।वहीं जनता और राहगीर ब्रिज बनने से परेशानी का सामना कर रहे हैं।रेल विभाग के कर्तव्यनिष्ठ अधिकारी ध्यान दें।

सामुदायिक भवन में लग रही प्राथमिक शाला

शौचालय के लिए बाहर खुले में जाना बनीं मजबूरी

तेंदूखेड़ा। चांवरपाठा विकास खंड अंतर्गत आने वाले शासकीय स्कूलों की गंभीर स्थिति बनी हुई है। कहीं भवन नहीं तो कहीं जर्जर स्थिति तो कहीं पानी या शौचालयों की व्यवस्था नहीं।तो कहीं वर्षात के दिनों में पानी के टपकने के चलते पनी डालकर बचाव करने तो फिर कहीं जहरीले जंतुओं के बीच शिक्षा ग्रहण करने के लिए मजबूर बनें हुए हैं छात्र। विकासखण्ड शिक्षा अधिकारियों के द्वारा भी विकासखण्ड की आठ शालाओं को डिस्मेंटल कार्यवाही के लिए जर्जर भवनों को नीलाम कर दिया है लेकिन भवन धराशाई हो जाने के बाद अब छात्रों को बैठने शिक्षा ग्रहण करने की मजबूरी बनीं हुई है। एक मामला पीपपानी पान में देखने को मिला जहां प्राथमिक शाला जर्जर स्थिति में होने के कारण उसे नीलाम कर धराशाई कर दिया गया है लेकिन यहां के 17 बच्चों को पास ही बनें सामुदायिक भवन में आंगनबाड़ी के साथ ही बैठाना पड़ रहा है।एक साथ एक ही कक्ष में पहली से पांचवीं तक के छात्र बैठते हैं। लेकिन यहां पर मुख्य समस्या शौचालय की बनीं हुई है। छोटे छोटे बच्चों को खुलें में जाना इनकी मजबूरी बनीं हुई है और वह भी मोदी जी के स्वच्छ भारत अभियान में अपनी सहभागिता नहीं निभा पा रहे हैं। पढ़ाने वाले शिक्षकों के साथ भी यही समस्या बनी हुई है पुरुष शिक्षकों का तो चल जाता है लेकिन महिला वर्ग के लिए परेशानियों का सामना करना पड़ता है। सबसे बड़ा विषय तो यह है कि गांव के बाहर तरफ घोषी मुहल्ला में स्थित इस स्कूल में बाउंड्री वॉल ना होने की स्थिति में सुरक्षा को लेकर गंभीर स्थिति बनी हुई है। छोटे छोटे बच्चों की रखवाली भी एक समस्या है। **68 हजार की राशि आई है-** विद्यालय में पदस्थ प्रभारी प्रधान पाठक का कहना है कि मेंटेनेंस के नाम पर 68 हजार रुपए स्वीकृत हुये है लेकिन यह राशि कहां ख़र्च कर देवें जब भवन धराशाई हो चुका है आजू बाजू दूसरे विभागों की जर्जर बिल्डिंगें है। शिक्षा विभाग की राशि विभाग के परिसर में ही खर्च कर सकेंगे यहां वहां राशि खर्च होने पर बाद में विभागीय आपत्ति जताई गई तो राशि की देनदारी भी यहीं से की जायेगी। **कचड़े के बीच हेडपंप-** सबसे बड़ी विसंगति पूर्ण स्तिथि यहां पर यह और बनीं हुई है कि शाला के बच्चों को पीने के पानी के लिए हेडपंप लगाया गया था लेकिन हेडपंप से पड़ोस के लोग पानी तो भरते हैं और घरों का कचड़ा भी इसी के बाजू से डालकर चले जाते हैं। **नहीं है हाईस्कूल का भवन-** पीपरवानी पान में मिडिल स्कूल की शिक्षा के बाद हाईस्कूल की शिक्षा के लिए यहां के छात्रों को नेशनल हाईवे क्रास करके विलगुवां हाईस्कूल या आजू बाजू ग्रामों के स्कूलों में जाना पड़ता था लेकिन यहा पर हाईस्कूल तो खुल गया है लेकिन भवन का अभाव बना हुआ है मिडिल स्कूल की बिल्डिंग में ही कक्षा छठवीं से दसवीं तक के छात्र बैठते हैं।139 छात्रों को बैठने मात्र 5 कक्ष है अब इसमें आफिस से लगाकर हर गतिविधि इन्हीं कक्षों में संपन्न करानी पड़ती है।03 नियमित शिक्षकों के साथ साथ 05 अतिथि शिक्षक है।